राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,24फ़रवरी 2021 वर्ष-4, अंक -32 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्यों के बीच फिर खड़ी हो रहीं दीवारें, अधिक कोरोना केस वाले राज्यों से संपर्क काटने लगे पड़ोसी

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों में एक बार फिर कोरोना के मामलों में तेजी आने लगी है और इसे देश में संक्रमण के दूसरे लहर की आहट के तौर पर देखा जा रहा है। महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में कई इलाकों में लॉकडाउन जैसे हालात हो गए हैं तो अब दूसरे राज्यों ने भी इन्हें अलग-थलग करना शुरू कर दिया है। पड़ोसी राज्यों ने आने-जाने वालों पर नियम और शर्तें लगानी शुरू कर दी हैं। कुछ ने चेक पोस्ट लगा दिए हैं तो कुछ निगेटिव रिपोर्ट के साथ ही लोगों को आने की अनुमति दे रहे हैं। गुजरात सरकार ने पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमा पर चेक पोस्ट लगाकर इन राज्यों से आ रहे लोगों की स्क्रीनिंग शुरू कर दी है। इन दोनों राज्यों से आने वाले हर व्यक्ति की जांच की जा रही है कि कहीं उनमें कोरोना का कोई लक्षण तो नहीं है। बिना लक्षण वाले लोगों को ही राज्य में आने की अनुमति दी जाएगी। दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के गृह विभाग ने भोपाल, इंदौर, होशंगाबाद, बेतुल, सिवनी, छिंदवारा, बालाघाट, बरवानी, खंडवा, खरगांव, बुरहानपुर, अलीराजपुर और महाराष्ट्र की सीमा से सटे जिलों के कलेक्टरों से ड्रिस्ट्रक्ट क्राइसिस मैनेजमेंट कमिटी की बैठक बुलाने को कहा है। उधर, कर्नाटक ने पहले ही महाराष्ट्र और केरल से आने वाले लोगों के लिए निगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट की अनिवार्यता की घोषणा कर दी थी। अब कलबुर्गी जिला प्रशासन ने महाराष्ट्र जाने वालों के लिए अडवाइजरी जारी की है। जिले में महाराष्ट्र सीमा पर पांच चेक पोस्ट लगाए गए हैं। महाराष्ट्र से कर्नाटक आ रहे लोगों को यहां निगेटिव आरटी-पीसीआर रिपोर्ट दिखानी होती है। कर्नाटक ने यही नियम केरल से आने वाले लोगों के लिए भी लागू किया है। इस बीच केरल के सीएम पी विजयन ने कर्नाटक की ओर से कई सीमाओं को बंद करने पर नाराजगी जाहिर की है। विजयन ने सोमवार को कहा कि केरल से कर्नाटक जाने वाले कई बॉर्डर रोड्स को बंद करने का मामला केंद्र सरकार के सामने उठाया जाएगा।

हिरेनागवली विस्फोट में 6 मरे

प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त किया दुख; पीड़ित परिवारों को दी सांत्वना

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से 60 किलोमीटर दूर चिक्कबल्लापुर जिले में एक डायनामाइट विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई। माना जा रहा है कि यह दुर्घटना मंगलवार की सुबह उस समय हुई, सात लोग अवैध विस्फोटकों का डिस्पोज करने की कोशिश में लगे हुए थे। बता दें कि कर्नाटक में पिछले एक महीने में होने वाला यह दूसरा धमाका है। 22 जनवरी को शिवमोगा जिले के हानासोडू गांव में एक रेलवे क्रशर वाली जगह हुए डायनामाइट विस्फोट में आठ लोग मारे गए थे।

पुलिस महानिरीक्षक (केंद्रीय रेंज) एम. चंद्रशेखर ने कहा कि शुरुआती जांच से ऐसा लगता है कि कुछ लोगों ने अवैध विस्फोटकों को डिस्पोज करने की कोशिश की थी और तभी अचानक से ब्लास्ट हो गया। डिस्पोजल और फोरेंसिक टीम बेंगलुरु से आ गई है। जब जांच पूरी हो जाएगी तब इस बारे में और अधिक जानकारी मिल सकेगी।

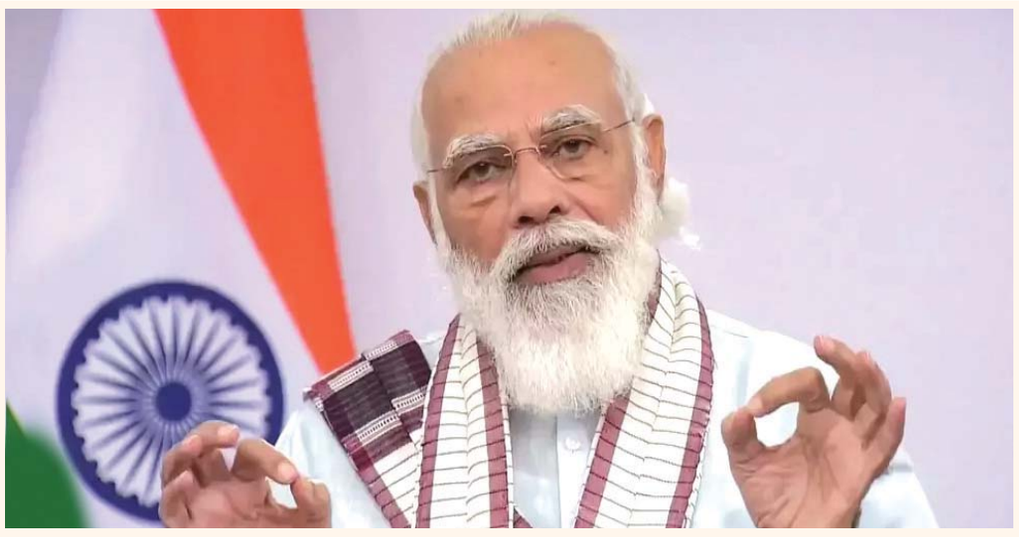

खदान व भूगर्भ मंत्री ने कहा, 'शिवमोगा विस्फोट के बाद ऐसी दुर्घटना दुभार्ग्यपूर्ण है। सरकार मामले की जांच करवाएगी और इसमें शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। चिक्कबल्लापुर जिले के हिरेनागवली में जिलैटिन की छड़ों में विस्फोट हो गया। राज्य मंत्री सुधाकर ने कहा कि ये छड़ें अवैध रूप से रखी गई थी। इस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, घायलों को अस्पताल में ले जाने वाली एंबुलेंस के ड्राइवर ने बताया कि हमें तकरीबन 1:20 पर फोन कॉल मिला। हम घटनावाली जगह पर सुबह 1:40 पर पहुंचे। हमें शुरुआत में हादसा बताया गया था, लेकिन जब वहां पहुंचे तब ब्लास्ट के बारे में पता चला और वहां पर पांच लोग थे।

कर्नाटक में हुई इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर में हुई दुर्घटना में लोगों की जान जाने से काफी दुखी हूं। उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री डी. सुधाकर ने कहा कि विस्फोटक ब्रम्हा वर्शिनी खदान का था। उन्होंने कहा, 'यह एक कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त खदान है। लेकिन 7 फरवरी को विस्फोटक को सही तरीके से नहीं रखने और साइट पर इंजीनियर के नहीं होने की वजह से इसे बंद कर दिया गया था। मालिक ने जरूर कर्मचारियों को इसे दो किलोमीटर दूर गुडुबंडे के जंगल ले जाने के लिए कहा होगा।' उन्होंने आगे बताया कि विस्फोटकों को एक मिनी ट्रक और दो बाइक के जरिए से ले जाया गया। सात लोग यहां आए। मैं बम डिस्पोजल टीम से बात कर रहा था, तो उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन से मिलने वाले सिग्नल से भी विस्फोट हो सकता है। लेकिन वे आगे की जांच कर रहे हैं।

मंत्री के अनुसार, मृतकों में दो कर्नाटक के, तीन आंध्र प्रदेश के और एक नेपाल का रहने वाले था। पुलिस ने खदान के तीन मालिकों की पहचान कर ली है और कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। वहीं, राज्य के एक अन्य मंत्री मुरुगेश निरानी ने कहा कि खदान धमाके में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल है। भारी मात्रा में विस्फोटकों के कारण यह घटना हुई। गृह मंत्री बसवराज बोम्मई ने घटनास्थल का दौरा किया है।

बिहार के सभी पुलिस लाइन में बनेगा हैलीपैड, पूर्णिया समेत सुदूर क्षेत्रों में विमान सेवा शुरू होगी

पटना। बिहार के सभी जिला पुलिस लाइन में हैलीपैड बनेगा। यहां पर रात में भी हेलीकॉप्टर उतर सकेंगे। हैलीपैड को नाइट लैंडिंग के मकसद से इस कदर बनाया जाएगा कि वहां दिन हो या रात, किसी भी वक्त इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। हैलीपैड के तैयार होने से आपदा की घड़ी में तत्काल मदद पहुंचाना सरकार के लिए आसान होगा। साथ ही पुलिस लाइन में हैलीपैड होने से पुलिस को भी काफी सूहलियत होगी। विपरीत परिस्थितियों में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। पुलिस लाइन में हैलीपैड होने की वजह से इसके लिए अलग से सुरक्षा इंतजाम करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। किसी भी वक्त वहां हेलीकॉप्टर लैंड कराया जा सकता है। जिला पुलिस बल का संचालन पुलिस लाइन से ही होता है और यहां पर्याप्त संख्या में पुलिस रहती है। विधानमंडल में सोमवार को पेश बजट में सभी पुलिस लाइन में हैलीपेड की सुविधा उपलब्ध करने का उल्लेख किया गया है। साथ ही उड्डयन संस्थान के लिए नया सिमुसेटर तथा दो नया सेसना 172 आरग्लास कॉकपीट विमान खरीदने के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है।

पूर्णिया समेत राज्य के सुदूर क्षेत्रों में विमान सेवा शुरू होगी

दूसरी ओर पूर्णिया समेत राज्य के सुदूर क्षेत्रों में विमान सेवा शुरू की जाएगी। इसको लेकर सभी आवश्यक कार्रवाई राज्य सरकार करेगी। राज्य में हवाई संपर्कता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य हो रहे हैं। विभिन्न शहरों में हवाई अड्डा का निर्माण कार्य चल रहा है। दरभंगा से विमान सेवा शुरू कर दिया गया है। पूर्णिया हवाई अड्डे के विकास और परिचालन के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को 108 एकड़ भूमि हस्तांतरित कर दिया गया है। राजकीय हवाई अड्डा का पक्कीकरण, विस्तार, चहारदीवारी का निर्माण कराया जा रहा है।

हिंद महासागर में ताकत दिखाएंगे भारत-फ्रांस, INS विक्रमादित्य और चार्ल्स डे गॉल रक्षा अभ्यास में होंगे शामिल

नई दिल्ली। भारत-फ्रांस की दोस्ती दुनियाभर के किसी भी देश से छिपी नहीं है। फ्रांस ने ही भारत को राफेल लड़ाकू विमानों का बेड़ा दिया था, जिसके बाद भारतीय वायुसेना की ताकत में कई गुना इजाफा हो गया। अब दोनों देश जल्द ही अपनी ताकत और दोस्ती एक बार फिर से दिखाने जा रहे हैं। भारत-फ्रांस अप्रैल महीने में हिंद महासागर और अरब सागर में दो फेज में रक्षा सहयोग बढ़ाते हुए अभ्यास करने जा रहे हैं। भारत की ओर से आईएनएस विक्रमादित्य और फ्रांस की तरफ से चार्ल्स डे गॉल इस रक्षा अभ्यास में शामिल होगा। इस मामले से जानकार लोगों ने बताया कि अभी कोई तारीख तय नहीं हुई है। फ्रेंच कैरियर पर दो युद्धपोत और एक सपोर्ट वाला शिप मौजूद है। यह कई महीनों के लिए मिशन %क्लेमेंस्यू 21% पर है, जो भूमध्य सागर, हिंद महासागर और अरब सागर / फारस की खाड़ी में आतंकवाद से लड़ने का काम करेगा। घटनाक्रम से जानकारी रखने वाले भारतीय नौसेना के अधिकारियों के

अनुसार, नए नियुक्त कमांडर रियर एडमिरल अजय कोचर फ्रांसीसी बेड़े के साथ होने वाले अभ्यास का हिस्सा होंगे। बता दें कि चार्ल्स डे गॉल एक 42,500 टन का एयरक्राफ्ट कैरियर है, जिसपर नौसेना के अधिकारियों के अलावा राफेल फाइटर जेट्स भी होते हैं। आईएएनएस विक्रमादित्य की बात करें तो इसका वजन 44,500 टन है, जिस पर मिग -29 के विमान तैनात होंगे। वहीं, अप्रैल में फ्रांस के साथ भारत के रिश्ते तब और मजबूत होंगे जब वहां के विदेश मंत्री जीन ले ड्रायन यहां का दौरा करेंगे। वे एक थिंकटैंक में लैक्चर भी देंगे। भारत और फ्रांस ने इंडो-पैसिफिक में नेविगेशन की स्वतंत्रता पर काम करता रहा है, जिसमें पेरिस क्षेत्र के लिए एक विशेष दूत नियुक्त किया जाना भी शामिल है। दोनों देशों के बीच होने वाले सैन्य अभ्यास के अलावा, 19-23 अप्रैल के बीच में फ्रांस से भारत सात और राफेल विमान आने हैं। इसके बाद अंबाला एयरबेस पर पहला स्कवाड्रन पूरा हो जाएगा। बाकी के बचे 18 राफेल फाइटर जेट्स की तैनाती ईस्टर्न सेक्टर के हाशिमारा में होगी। भारत और फ्रांस के संबंध पिछले कुछ वर्षों में और बेहतर हुए हैं।

विवि में वेबिनार के लिए विदेश मंत्रालय की अनुमति जरूरी

शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर शिक्षकों में रोष

नई दिल्ली। सरकारी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के वेबिनार, आनलाइन सेमिनार और भारत की सुरक्षा से संबंधित विषयों पर कार्यक्रमों में विदेशी विद्वानों को बुलाने से पहले विदेश मंत्रालय की मंजूरी लेनी पड़ेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 15 जनवरी को इस बाबत नोटिस जारी किया है। ऐसा देश की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। हालांकि इस निर्देश को लेकर शिक्षकों में रोष है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) शिक्षक संघ सचिव व सेंटर फार इंटरनेशनल पालिटिक्स की एसोसिएट प्रोफेसर मौसमी बसु कहतीं हैं कि पहले भी चीन और पाकिस्तान के विद्वानों को बुलाने से पूर्व अनुमति लेनी पड़ती थी। लेकिन, यदि अब सभी के लिए अनुमति लेनी होगी तो ऐसे तो शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। आंतरिक मामले क्या हैं, यह नोटिस से स्पष्ट ही नहीं है। उन्होने आगे कहा कि जहां तक अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बात है तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा से परे एक पाठ्यक्रम है, जहां हम कृषि से लेकर शरणार्थियों तक पर बात करते हैं। बकौल मौसमी बसु वर्तमान नोटिस समेत जेएनयू से जुड़े विभिन्न मसलों के संबंध में हम केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के सचिव से मुलाकात का समय मांग रहे हैं। विगत एक महीने में पांच बार पत्र भेजा, लेकिन अब तक मिलने का समय नहीं दिया गया। हालांकि जेएनयू में चाइनीज स्टडीज के प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली कहते हैं कि आदेश में नया कुछ नहीं है।

कोरोना के बढ़ते मामलों से टेंशन में केंद्र ? टीकाकरण अभियान में जल्द प्राइवेट सेक्टर की एंट्री

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर बढ़ने के बाद केंद्र सरकार टेंशन में है। गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को स्थिति की समीक्षा की और स्वास्थ्य मंत्रालय से टीकाकरण अभियान में तेजी लाने को कहा ताकि कोरोना को एक फिर फैलने से रोका जा सके। सरकार अब 50 साल से ज्यादा उम्र वालों को कोरोना टीका लगाने की योजना बना रही है। ऐसे में कम समय में 27 करोड़ लोगों को टीका दिए जाने का लक्ष्य पूरा करने के लिए सरकार अभियान में प्राइवेट सेक्टर को मंजूरी देने की तैयारी कर रही है। अगले चरण में उन लोगों को भी टीका दिया जाएगा जिनकी उम्र 50 साल से कम है लेकिन जिन्हें गंभीर

बीमारियां हैं और कोरोना से जिनको मौत का जोखिम ज्यादा है। खबर के मुताबिक, नीति आयोग के सदस्य डॉक्टर वी.के. पॉल ने कहा कि टीकाकरण अभियान के अगले चरण की तैयारियां जोरों पर हैं और इसमें प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी बड़े स्तर पर होगी। उन्होंने कहा, अभी भी हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स के टीकाकरण में प्राइवेट सेक्टर मुख्य रूप से शामिल है। एक दिन में दी जाने वाली 10 हजार वैक्सीन में से 2 हजार प्राइवेट सेक्टर की देखरेख में दी जा रही है। चूंकि हम टीकाकरण अभियान में और तेजी लाना चाहते हैं, इसलिए प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी और ज्यादा होगी।% बता दें कि सरकार का एक दिन में 50 हजार टीके लगाने का लक्ष्य है। अभी तक पंजीकरण करवाने वाले 67 प्रतिशत हेल्थ वर्कर्रों और 40 प्रतिशत फ्रंटलाइन वर्कर्रों को कोरोना टीके की पहली डोज दी जा चुकी है। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि अभी तक 11.5 लाख हेल्थ वर्कर्रों कोरोना टीके की दूसरी खुराक दी जा चुकी है, जिसमें से 40-50 प्रतिशत खुराकें निजी अस्पतालों में दी गई है। सोमवार शाम तक कोरोना वैक्सीन की 1.14 करोड़ खुराकें दी जुकी हैं। देश के तीन राज्य और एक केंद्रीय प्रशासित क्षेत्र यानी गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और लक्ष्द्वीप में पंजीकृत हेल्थ और फ्रंटलाइन वर्कर्रों में से 75 प्रतिशत को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज दी जा चुकी है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से टीकाकरण अभियान में तेजी लाने को कहा है। सरकार की नजर महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों पर भी है।

कोरोना से बचाव के लिए फिजिकल डिस्टैंसिंग का उल्लंघन होने पर अलर्ट करेगी ये डिवाइस

नई दिल्ली। बीते कुछ दिनों में देश के कुछ राज्यों में कोरोना के मामलों में फिर से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में फिजिकल डिस्टैंसिंग और मास्क एक बार फिर सबसे अहम हो गए हैं। इसका पालन करके ही कोरोना का पूर्ण तौर पर खात्मा किया जा सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), भोपाल ने एक मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया है, जो फिजिकल डिस्टेंसिंग को मेंटेन करने में मददगार है। आईआईएसईआर द्वारा बनाए गए क्राउड एंड मास्क मॉनिटरिंग सिस्टम से भीड़ का प्रबंधन करने के साथ-साथ मॉनिटरिंग करने में भी मदद मिलेगी। डिवाइस के बारे में जानकारी देते हुए आईआईएसईआर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस विभाग के डॉ पी. बी. सुजीत ने बताया कि हम एक साधारण एडवाइजरी सिस्टम बनाना चाहते थे, जो छात्रों को फिजिकल डिस्टैंसिंग के नियमों का उल्लंघन करने से रोके। इसके लिए हमने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का सहारा लिया। हमने डिवाइस में हाई डेफिनेशन कैमरा को कंप्यूटर माइक्रोचिप और पांच वोल्ट की बैटरी से अटैच किया। हमने इसका प्रयोग कैंपस में किया। जब कैमरा इस

बात को पहचान लेता है कि फिजिकल डिस्टैंसिंग और मास्क के नियमों का पालन नहीं हो रहा है तो वह भीड़ को पहले से रिकॉर्ड मैसेज के माध्यम से सचेत करने लगता है।

इस प्रयोग को हमने अक्तूबर, 2020 में शुरू किया था। इसमें हम लगातार बदलाव कर रहे हैं, ताकि अलर्ट को फुलप्रूफ बनाया जा सके। हमारी योजना है कि इसका ओपन सोर्स सिस्टम के साथ-साथ इसके इस्तेमाल से जुड़े ट्यूटोरियल को भी आम आदमी को सरल और साधारण तरीके से उपलब्ध कराया जाए, ताकि आम लोगों को इसका अधिक से अधिक फायदा मिले। आईआईएसईआर भोपाल की टीम का कहना है कि अगर मौका मिलता है तो इस डिवाइस को भीड़भाड़ वाली विभिन्न जगहों पर लगाया जाएगा, ताकि कोरोना के दौर में सुरक्षा नियमों की अनदेखी न हो।

इस डिवाइस को आईआईएसईआर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पी. बी. सुजीत, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मित्रदीप भट्टाचार्यजी और शांतनु तालुकदार, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ वेंकटेश्वर राव और बीएसएमएस छात्र काशी विश्वनाथ ने मिलकर तैयार किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दो राज्यों में बजट

देश के दो महत्वपूर्ण राज्य, उत्तर प्रदेश और बिहार में वार्षिक बजट पेश कर विकसित भविष्य की ओर बढ़ने का संकल्प दोहराया गया है। इन दोनों राज्यों के बजट का विशेष महत्व है, क्योंकि ये दोनों राज्य न केवल राजनीतिक, बल्कि आर्थिक रूप से भी पूरे देश को शायद सबसे ज्यादा प्रभावित करते हैं। दोनों की ही गिनती अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों में होती है और दोनों ही प्रदेशों से रोजगार की तलाश में युवाओं को घर छोड़ने को मजबूर होना पड़ता है। पहली नजर में देखा जाए, तो उत्तर प्रदेश में जहां मूलभूत ढांचा विकास पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया गया है, वहीं बिहार का बजट विशेष रूप से बालिका व महिला विकास की दृष्टि से बहुत आशा जगाता है। दोनों के बजट आकार की तुलना करें, तो बिहार का बजट उत्तर प्रदेश के बजट की तुलना में करीब 40 प्रतिशत ही है। उत्तर प्रदेश का बजट पांच लाख पचास हजार दो सौ सत्तर करोड़ अठहत्तर लाख रुपये का है, तो वहीं बिहार का बजट दो लाख अठारह हजार तीन सौ तीन करोड़ रुपये का है। आबादी के अनुपात के हिसाब से बजट का अनुपात सही है। हालांकि, दोनों राज्यों में विगत दशकों में यदि दक्षिणी राज्यों जैसी तरक्की होती, तो बजट कई गुना ज्यादा का होता। खैर, इन राज्यों के बजट से पता चलता है कि दोनों को अभी विकास की राह पर बहुत आगे जाना है। उत्तर प्रदेश का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने किसानों का भी पूरा ध्यान रखा है, तो अचरज नहीं। किसानों को मुफ्त पानी के लिए 600 करोड़ रुपये और सस्ते ऋण के लिए 400 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। कानपुर, गोरखपुर और वाराणसी में भी मेट्रो दौड़ेगी। दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल के लिए 1,326 करोड़ रुपये का आवंटन विशेष रूप से ध्यान खींचता है। एयरपोर्ट और एक्सप्रेस वे के लिए भी बजट आवंटन स्वागतयोग्य है। टीकाकरण के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। संभव है, उत्तर प्रदेश सरकार बजट से परे भी आने वाले दिनों में मुफ्त टीकाकरण की घोषणा करेगी। उत्तर प्रदेश में अगले साल चुनाव हैं और चुनाव का असर बजट पर भी दिख रहा है। सरकार मूलभूत ढांचा विकसित करके निवेश आमंत्रित करना चाहती है, ताकि प्रदेश में रोजगार बढ़े। दूसरी ओर, बिहार में नई सरकार का यह पहला बजट है, जिसे उप-मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री तारकिशोर प्रसाद ने पेश किया है। यहां ज्यादा जोर गांवों, महिलाओं और कौशल विकास पर है, तो इसकी जरूरत कोई भी समझ सकता है। 12वीं पास करने वाली अविवाहित लड़कियों को सरकार 25,000 रुपये देगी और स्नातक होने पर 50,000 रुपये। इसके अलावा महिलाओं को पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण भी मिल सकेगा। महिला उद्यमिता के विकास के लिए यह बड़ी पहल है। बिहार में लड़कियों, महिलाओं के सशक्तीकरण के जरिए समाज बदलने की कवायद विगत कुछ वर्षों से जारी है, इसे ईमानदारी से आगे बढ़ाना चाहिए। बाहर काम करने वाले बिहारियों का पंचायतवार डाटा भी बहुत जरूरी है, ताकि जरूरतमंदों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। बिहार सरकार के सात निश्चय भाग-दो, लिंक रोड और डेयरी विकास के प्रयासों से भी जमीनी बदलाव आएगा। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार। आज युवाओं व आम लोगों की सबसे बड़ी आकांक्षा यही है।

आज के ट्वीट

जीत बहुत ही खास

गुजरात के कोने-कोने में मिली यह जीत बहुत ही खास है। दो दशकों से ज्यादा समय तक सत्ता में रहने वाली पार्टी के लिए इस प्रकार की शानदार जीत हासिल करना बेहद उल्लेखनीय है। समाज के सभी वर्गों, खासकर गुजरात के युवाओं का भाजपा को लगातार समर्थन अभिभूत करने वाला है। -- पीएम

पकृति विरोधी विकास से उपजी त्रासदी

भरत झुनझुनवाला

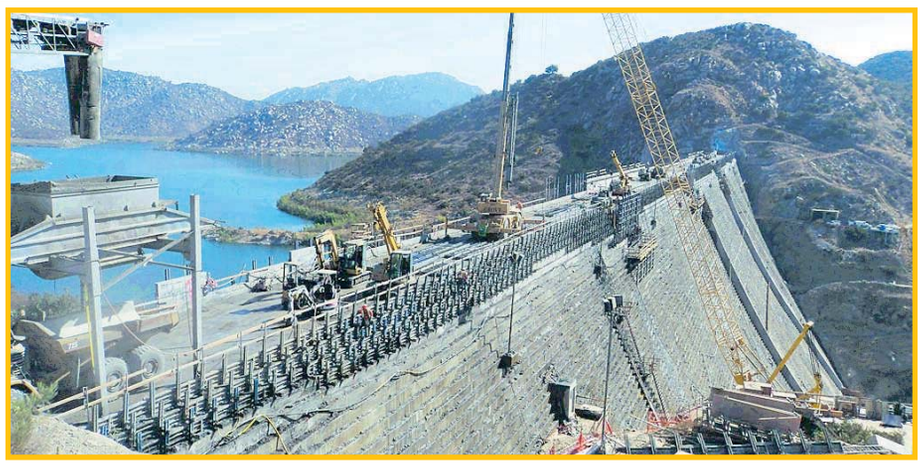

भारत का यह जो विशाल भूभाग है, वह एक विशाल चट्टान पर स्थित है, जिसे 'इंडियन प्लेट' कहा जाता है। पृथ्वी के 24 घंटे घूमने से यह चट्टान धीरे-धीरे उत्तर की ओर खिसक रही है, जैसे सेन्ट्रीफ्यूगल मशीन में पानी ऊपर चढ़ता है। उत्तर में इसे तिब्बत की प्लेट से टकराना पड़ता है। इन दोनों के टकराव से हिमालय में, विशेषकर उत्तराखंड में, लगातार भूकंप आते रहे हैं। पिछले 20 वर्षों में भूकंप न आने का कारण यह हो सकता है कि टिहरी झील में पानी के भरने से दोनों प्लेटों के बीच में दबाव पैदा हो गया है, जिससे इनका आपस में टकराना कुछ समय के लिए टल गया है। जैसे 2 पहलवानों के बीच एक छोटा बच्चा खड़ा हो जाये तो कुछ क्षण के लिए उनकी कुश्ती बंद हो जाती है। दोनों प्लेटों के टकराव से एक ओर हिमालय ऊंचा होता जा रहा है तो दूसरी ओर गंगा इनकी मिट्टी को नीचे ला रही है। हिमालय के ऊपर उठने में पहाड़ कमजोर होते जाते हैं और उनकी मिट्टी गंगा में आकर गिरती है। गंगा उस मिट्टी को मैदानी इलाकों तक पहुंचाती है। पहाड़ों में हमें जो घाटियां दिखाई पड़ती हैं, वह गंगा द्वारा मिट्टी को नीचे ले जाने से ही बनी हैं। गंगा द्वारा मिट्टी नीचे नहीं लायी जाती तो हिमालय का क्षेत्र भी तिब्बत के पठार जैसा दिखता। हरिद्वार से गंगासागर तक का समतल और उपजाऊ भूखंड भी इसी मिट्टी से बना है। इसलिए हिमालय पर दो परस्पर विरोधी प्रभाव लगातार पड़ते हैं। एक तरफ इंडियन प्लेट के टकराने से यह ऊपर होता है तो दूसरी तरफ गंगा द्वारा इसकी मिट्टी ले जाने से यह नीचा होता है। इस परिप्रेक्ष्य में 2013 में चोराबारी ग्लेशियर का टूटना एवं वर्तमान में ऋषिगंगा ग्लेशियर का टूटना सामान्य घटनाएं हैं और ऐसी घटनायें आगे भी निश्चित रूप से घटती रहेंगी। हमारे भू-वैज्ञानिक इस टूटन को वृक्षारोपण आदि से रोकने की अतार्किक बात कर रहे हैं। हिमालय के इस सामान्य चरित्र में जलविद्युत परियोजनाओं ने संकट को बढ़ा दिया है। वर्ष 2013 की आपदा के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पर्यावरण मंत्रालय ने एक कमेटी गठित की थी, जिसके अध्यक्ष रवि चोपड़ा थे। इस कमेटी ने पाया कि 2013 की आपदा में नुकसान केवल जलविद्युत परियोजनाओं के ऊपर एवं नीचे हुआ था। केदारनाथ के नीचे फाटा व्यूंग परियोजना के कारण मंदाकिनी का बहाव रुक जाने के कारण पीछे एक विशाल तालाब बन गया, जिससे सीतापुर का पुल डूब गया और हजारों लोग काल कलवित हो गये। इसी प्रकार फाटा व्यूंग के नीचे सिंगोली भटवाडी जलविद्युत परियोजना के बैराज टूटने के कारण बहता पानी नदी के एक छोर से तेजी से निकला और सर्प के आकार में दोनों किनारों को तोड़ता हुआ आगे बहा, जिससे हजारों लोगों के मकान पानी में समा गये। जहां गंगा का खुला बहाव था वहां कोई आपदा नहीं आई। कमेटी ने कहा कि यह आकस्मिक नहीं हो सकता है कि आपदा का नुकसान केवल जलविद्युत परियोजनाओं के ऊपर और नीचे हुआ है। दरअसल जलविद्युत परियोजनाओं से गंगा का मुक्त बहाव बाधित हो जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि पहाड़ अथवा ग्लेशियर के टूटने से जो मलबा और पानी आता है, उसको गंगा सहज ही गंगा सागर तक पहुंचा देती है। लेकिन इस कार्य को करने के लिए उसे खुला रास्ता चाहिए ताकि वह सरपट बह सके। रास्ते में कोई रुकावट नहीं। जैसे हाथी को सड़क पर चलने के लिए खुले रास्ते की जरूरत होती है। लेकिन जलविद्युत परियोजनाओं द्वारा गंगा के इस खुले रास्ते पर अवरोध लगा दिया जाता है और यही आपदा को जन्म देता है। वर्तमान में ऋषिगंगा में हुई भयंकर आपदा का कारण भी यही है। ऊपर ग्लेशियर के टूटने से जो पानी और मलबा नदी में आया, उसको नदी सहज ही गंगासागर तक ढकेल कर ले जाती लेकिन वह ऐसा न कर सकी क्योंकि पहले उसका रास्ता रोका ऋषिगंगा जलविद्युत परियोजना ने, जिसे ऋषिगंगा ने तोड़ा। उसके बाद पानी का रास्ता रोका तपोवन विष्णुगाड जलविद्युत परियोजना की बैराज ने। वह पानी बैराज को तोड़ता हुआ आगे बढ़ा। इस प्रकार पहाड़ के टूटने की सामान्य घटना ने भयंकर रूप धारण कर लिया। यदि उत्तराखंड में जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण होता रहेगा तो ऐसी आपदाएं आती ही रहेंगी क्योंकि पहाड़ों का टूटना जारी रहेगा और उनका रास्ता बांधों और बैराजों से बाधित होने से संकट पैदा होगा ही। कौतूहल का विषय यह है कि उत्तराखंड की सरकार की इन जलविद्युत परियोजनाओं को बनाने क्या दिलचस्पी है? इनसे उत्पादित बिजली भी बहुत महंगी पड़ती है। वर्तमान में नयी जल विद्युत परियोजनाओं से उत्पादित बिजली लगभग 8 से 10 रुपये प्रति यूनिट में उत्पादित होती है। देव प्रयाग के पास प्रस्तावित कोटली भेल 1बी जलविद्युत परियोजना के पर्यावरणीय प्रभावों के आर्थिक मूल्य का आकलन किया गया। मछलियों, बालू, जंगलों, भूस्खलन, मनुष्यों के स्वास्थ्य और संस्कृति आदि का आर्थिक मूल्य निकाला तो पाया कि पर्यावरण की हानि के मूल्य को जोड़ने से कोटलीभेल परियोजना द्वारा उत्पादित बिजली का उत्पादन मूल्य लगभग 18 रुपये प्रति यूनिट पड़ता है। इनके सामने आज सोलर पावर लगभग 3 रुपये में उपलब्ध है। यद्यपि यह बिजली दिन में उत्पादित होती है लेकिन इसे सुबह और शाम की पीकिंग पावर में परिवर्तित करने का खर्च मात्र 50 पैसा प्रति यूनिट आता है। इसलिए आर्थिक दृष्टि से भी ये जलविद्युत परियोजनायें पूर्णतया अप्रासंगिक हो गयी हैं। लेकिन इन योजनाओं को बनाने में सरकार को 12 प्रतिशत बिजली मुफ्त मिलती है। एक यूनिट बिजली का दाम 4 रुपये मान लें तो उत्तराखंड सरकार को 48 पैसे मुफ्त मिलते हैं जबकि जनता को 18 रुपये अदा करने पड़ते हैं। इसके अलावा इन परियोजनाओं में पर्यावरण स्वीकृति, जंगल स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, बिजली लाइसेंस इत्यादि के टंटे होते हैं, जिसके कारण उत्तराखंड सरकार इनको बनाना चाहती है। आश्चर्य यह है कि प्रकृति का पूजन करने वाली भारतीय संस्कृति जिसका एक विशेष मंत्र है 'पृथ्वी-शांति, आपः शांति, वनस्पतिः शांतिः' वह संस्कृति आज हमारी धरती, पानी और वनस्पति को नष्ट करने पर तुली हुई है।

इसकी तुलना में भोगवादी कहलाने वाली अमेरिकी संस्कृति ने तमाम क्रियाशील जलविद्युत परियोजनाओं को सिर्फ इसलिए हटा दिया है कि वहां के लोग खुली और अविरल बहती हुई नदी में स्नान करना, नाव चलाना और मछली पकड़ना चाहते थे। समय आ गया है कि हम भी थोड़ा अन्तर्मुखी होकर विचार करें कि हम अपनी संस्कृति से कैसे विमुख हो गये हैं? हम क्योंकर केवल विकास का आभास पैदा करने के लिए अपने पहाड़ों, अपने प्राकृतिक संसाधनों, अपनी संस्कृति और अपनी जनता को कष्ट पहुंचाने को प्रतिबद्ध हैं?

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

मनोयोग

श्रीराम शर्मा आचार्य/ जीवन अनेकों समस्याओं के साथ उलझा हुआ है। उन उलझनों को सुलझाने में, प्रगति पथ पर उपस्थित रोड़ों को हटाने में बहुधा हमारी शक्ति का एक बहुत बड़ा भाग व्यतीत होता है, फिर भी कुछ ही समस्याओं का हल हो पाता है। उस अपूर्णता का कारण है कि हम हर समस्या का हल अपने से बाहर ढूंढ़ते हैं जबकि वस्तुतः वह हमारे शरीर के अंदर ही छिपा रहता है। हम कोई आकांक्षा करने से पूर्व अपनी सामर्थ्य और परिस्थितियों का अनुगमन करें तो उनका पूर्ण होना विशेष कठिन नहीं है। एक बार के प्रयत्न में न सही, सोची हुई अवधि में न सही, पूर्ण अंश में न सही, आगे पीछे न्यूनाधिक सफलता इतनी मात्रा में तो मिल ही जाती है कि कामचलाऊ संतोष प्राप्त किया जा सके। पर यदि आकांक्षा के साथ-साथ अपनी क्षमता और स्थिति का ठीक अंदाजा न करके बहुत बढ़ा-चढ़ा लक्ष्य रखा गया है, तो उसकी स्थिति कठिन ही है। ऐसी दशा में असफलता एवं खिन्नता भी स्वाभाविक हैं। पर अपने स्वभाव में आगा पीछा सोचना, परिस्थिति के अनुसार मन चलाने की दूरदर्शिता हो तो खिन्नता से बचा जा सकता है और साधारण रीति से जो उपलब्ध हो सकता है उतनी ही आकांक्षा करके शांतिपूर्वक जीवन यापन किया जा सकता है। अपने स्वभाव की त्रुटियों का निरीक्षण करके उनमें आवश्यक सुधार करने के लिए हम तैयार हो जाएं तो जीवन की तीन चौथाई से अधिक समस्याओं का हल तुरंत हो जाता है। सफलता के बड़े-बड़े स्वप्न देखने की अपेक्षा हम सोच समझ कर कोई सुनिश्चित मार्ग अपनावें और उस पथ पर पूर्ण दृढ़ता एवं मनोयोग के साथ कर्त्तव्य समझ कर चलते रहें तो मस्तिष्क शांत रहेगा, उसकी पूरी शक्तियां लक्ष्य को पूरा करने में लगेंगी और मंजिल तेजी से पास आती चली जाएगी। समय-समय पर थोड़ी-थोड़ी जो सफलता मिलती चली जाएगी, उसे देखकर हर्ष और संतोष भी मिलता जाएगा और इस प्रकार लक्ष्य की ओर अपने कदम एक व्यवस्थित गति के अनुसार बढ़ते चले जाएंगे। इसके विपरीत यदि हमारा मन बहुत कल्पनाशील है, बड़े-बड़े मंसूबे गांठता और बड़ी-बड़ी सफलताओं के सुनहरे महल बनाता रहता है, जल्दी से जल्दी बड़ी से बड़ी सफलता के लिए आतुर रहता है तो मंजिल काफी कठिन हो जाएगी। जो मनोयोग कार्य की गतिविधि को सुसंचालित रखने में लगाना चाहिए था वह शेखिचल्ली के सपने देखने में उलझा रहता है। उन सपनों को इतनी जल्दी साकार देखने की उतावली होती है कि जितना श्रम और समय उसके लिए अपेक्षित है, वह उसे भार रूप प्रतीत होता है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

अधिकारों को लीलता परिवार तंत्र

लक्ष्मीकांता चावला

सन् 1991 से पूरे देश में नगर निगमों, नगर पालिकाओं तथा पंचायतों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिला। जहां पहले महिलाएं दूसरे उम्मीदवारों के लिए हाथ उठा-उठाकर नारे लगातीं, दिन-रात काम करती दिखाई देती थीं, इस आरक्षण के साथ महिलाएं स्वयं उम्मीदवार बनकर चुनाव क्षेत्र में उतरीं। विशेष बात यह रही कि अगर एक वार्ड में पांच महिलाएं आमने-सामने हो जातीं तो पचासों महिलाएं उनके साथ प्रचार के लिए निकलतीं। उस समय यह विश्वास बना था कि अब हमारे देश की महिलाएं अपने गांव, शहर, महानगर का दायित्व स्वयं संभालेंगी और शहर साफ-सुथरे होंगे, रिश्वत मुक्त नगर प्रशासन हो जाएगा। एक महिला मां की तरह सचमुच नगर माता या नगर बहन बनकर जनता की सेवा करेगी। चुनाव भी हो गए, महिलाएं चुनी भी गईं, लेकिन नहीं बदला तो कामकाज का तरीका और पुरुष राजनीति का वर्चस्व। दरअसल, महिला जनप्रतिनिधियों के स्थान पर उनके पति, पुत्र या परिवारों के अन्य पुरुष सदस्य काम करते नजर आते। थानों में भी सरपंच साहब बनकर जाने वाले बहुत बाद में बताते थे कि उनकी पत्नी सरपंच है और शहरों में तो अति हो गई। चुनाव जीत चुकी अधिकतर महिला प्रतिनिधि घरों में बंद रहीं और उनके पति ही पार्षद और नगर कौंसिल के सदस्य बनकर अपनी धाक जमाते और अगले चुनाव के लिए स्वयं को उम्मीदवार के रूप में जनता के बीच में लाते। मंचों पर उनके नाम के साथ पार्षद और सरपंच साहब कहकर ही संबोधित किया जाता।एक बेचारी पार्षद महिला ने न जाने किस बेबसी से या मजबूरी में यह कहा कि उसे वोट भी पति ने लेकर दिए हैं और लाखों रुपये भी उसी ने खर्च किए हैं। अगर वे स्वयं काउंसलर कहलवाते हैं तो क्या हर्ज है। बड़ी कठिनाई से पांच प्रतिशत महिलाएं ही गांवों-शहरों में ऐसी मिली, जो स्वयं जनप्रतिनिधि का दायित्व संभालकर जनता की सेवा में लगी हैं। कुछ महिला सरपंच अपने गांवों की छवि पूरी तरह से बदल रही हैं। उत्तर प्रदेश में महिला पार्षद पतियों का कितना ज्यादा दखल प्रशासन में हो गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार को पार्षद पति कानून भी बनाना पड़ा, क्योंकि वहां निगम की बैठकों में भी यह पार्षद पति ही कब्जा करके बैठते देखे गए। लगता है जो भी दोष है, वह उन महिलाओं का है जो चुनाव जीत गईं, पर फिर भी कठपुतली ही बनी रहीं। कौन इनकार करेगा कि बहुत-सी महिला पार्षदों और पंचों-सरपंचों के परिजन ही उनके नाम की मोहर जेब में लेकर चलते हैं और कई बार उनके हस्ताक्षर भी स्वयं करते हैं। फिर भी ऐसी निर्वाचित महिलाओं को निलंबित नहीं किया जाता, जबकि जो स्वयं काम नहीं करते, उनके निलंबन की शक्ति सरकार के पास है। अब पंजाब में बहुत बड़ी संख्या में महिलाएं नगर पंचायतों और नगर निगमों के लिए चुनाव जीती हैं। वर्तमान कैप्टन सरकार ने महिलाओं को पचास प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया है। आशंका है कि अब भी यह निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि शायद ही कार्य क्षेत्र में स्वयं आगे आकर दायित्व संभालेंगी। यह सही है कि आज चुनाव क्षेत्र में उतरी महिला सुशिक्षित है। अपने कर्तव्य को पहचानती है, अधिकारों से भी अपरिचित नहीं, फिर भी न जाने क्यों पूरी तरह अपने अधिकारों और सामाजिक प्रतिष्ठा की तरफ ध्यान नहीं देतीं। एक विचार है कि महिलाओं के लिए वार्ड आरक्षित करके सरकार ने महिला कार्यकर्ताओं को कमजोर किया। अगर वास्तव में ही राजनीति के क्षेत्र में और स्थानीय स्वशासन के लिए महिलाओं को प्रभावी भूमिका देने का विचार हमारी संसद रखती तो नियम यह बनाया जाता कि हर राजनीतिक दल 33 प्रतिशत टिकट चुनावों में महिलाओं को देगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।दरअसल, चुनावी राजनीति में सक्रिय नेता भी दूसरों पर विश्वास बहुत कम करते हैं। इसी का यह दुष्परिणाम है कि स्थानीय स्वशासन में चुनावों में भाग लेने वाले दूसरी और तीसरी पंक्ति के नेताओं का अपनी पत्नी और परिवार के निकट संबंधियों के अतिरिक्त और किसी पर विश्वास नहीं रहा। चुनावी समर भूमि का नेता जब वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाने के कारण स्वयं चुनाव नहीं लड़ पाता तो उसे केवल अपनी पत्नी ही चुनाव लड़वाने के लिए सबसे योग्य दिखाई देती है। इसी का परिणाम यह है कि पंजाब में नगर निगम और नगर निगमों के जो चुनाव होते रहे वहां 90 प्रतिशत से ज्यादा वही महिलाएं चुनाव क्षेत्र में नेतृत्व करती हुई दिखाई देती रहीं, जिनका एक ही परिचय है कि वह किसी वरिष्ठ अथवा सक्रिय पदाधिकारी की पत्नी हैं। कहीं-कहीं नेताओं की मां अथवा पुत्रवधू को स्थान मिला है। यह अपवाद केवल उन्हीं परिवारों में है जहां पत्नी किसी भी कारण चुनाव मैदान में आगे नहीं आ सकी।

वर्ष 1991 से 2012 तक के जितने भी चुनाव स्थानीय संस्थाओं के हुए वहां 90 प्रतिशत महिलाएं ऐसी हैं जो एक बार पार्षद बनने के बाद पुनः प्रत्याशी नहीं बनाई गईं। अब भी पंजाब में वही महिलाएं अधिकतर प्रत्याशी बनी हैं जो पति के नाम पर अथवा उसके स्थान पर टिकट ले रही हैं। अच्छा हो कि देश की संसद महिला आरक्षण कानून में जो कमियां रह गई हैं, उस पर विचार करे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में 5जी को बढ़ावा देने के लिए एयरटेल, क्वालकॉम ने मिलाए हाथ

नई दिल्ली:

दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल और चिपनिर्माता क्वालकॉम ने भारत में 5जी पर अमल में तेजी लाने के लिए मंगलवार को साझेदारी की घोषणा की। एयरटेल ने हाल ही में हैदराबाद शहर में एक लाइव वाणिज्यिक नेटवर्क पर 5जी सेवा का प्रदर्शन किया है। इस तरह एयरटेल ऐसा करने वाली भारत की पहली दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी के एक बयान के अनुसार, ''अपने नेटवर्क विक्रेताओं और उपकरण भागीदारों के माध्यम से एयरटेल वर्चुअलाइज्ड और ओपन रैन-आधारित 5जी नेटवर्क की शुरुआत करने के लिए क्वालकॉम के 5जी रैन प्लेटफॉर्म का उपयोग करेगी। एयरटेल ओ-रैन गठजोड़ के निदेशक मंडल की सदस्य होने के नाते इसे सफल बनाने को प्रतिबद्ध है। कंपनी भारत में ओ-रैन का क्रियान्वयन करने के लिए क्वालकॉम के साथ मिलकर काम कर रही है।

अमेजन इंडिया ने अपने डिलिवरी नेटवर्क में महिंद्रा इलेक्ट्रिक के करीब 100 वाहनों को किया शामिल

नई दिल्ली:

ई-वाणिज्य कंपनी अमेजन इंडिया और ई-वाहन कंपनी महिंद्रा इलेक्ट्रिक ने मंगलवार को एक साझेदारी की घोषणा की। इसके तहत अमेजन ने देश में अपने डिलिवरी नेटवर्क में महिंद्रा इलेक्ट्रिक के करीब 100 ई-वाहनों को शामिल किया है। दोनों कंपनियों के एक संयुक्त बयान के अनुसार, महिंद्रा के करीब 100 ट्रियो जोर ई-वाहनों को देश के सात शहरों में अमेजन के डिलिवरी नेटवर्क में शामिल किया गया है। ये शहर बेंगलुरू, नई दिल्ली, हैदराबाद, अहमदाबाद, भोपाल, इंदौर और लखनऊ हैं। इन्हें अमेजन इंडिया के डिलिवरी सेवा साझेदारों के नेटवर्क में शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि अमेजन ने पर्यावरण को लेकर किए एक आश्वासन के तहत 2030 तक अपने वैश्विक डिलिवरी नेटवर्क में एक लाख ई-वाहनों को शामिल करने की घोषणा की थी। इसके तहत कंपनी भारत में 2025 तक डिलिवरी नेटवर्क में 10 हजार ई-वाहनों को शामिल करेगी। कंपनी ने इसी के अनुरूप महिंद्रा इलेक्ट्रिक के करीब 100 ई-वाहनों को डिलिवरी बेड़े का हिस्सा बनाया है। अमेजन ने कहा, ''महिंद्रा इलेक्ट्रिक के साथ यह साझेदारी पर्यावरणीय स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिंद्रा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) महेश बाबू ने कहा, ''हमारा मानना है कि यह साझेदारी भारत की रसद और डिलिवरी आवश्यकताओं को फिर से परिभाषित करेगी। इसके साथ ही साथ यह साझेदारी महिंद्रा और अमेजन को पर्यावरण संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी।

गडकरी ने तेलंगाना में सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को तेलंगाना में राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। इन परियोजनाओं में हैदराबाद के चारों ओर 15,980 करोड़ रुपए की लागत वाली क्षेत्रीय रिंग रोड परियोजना शामिल हैं। रिंग रोड परियोजना में दो हिस्से हैं। इसमें 9,500 करोड़ रुपए की लागत वाला उत्तरी भाग तथा 6,480 करोड़ रुपए की लागत वाला दक्षिणी भाग शामिल हैं। बैठक में शामिल गृह राज्यमंत्री जी किशन रेड्डी ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि रिंग रोड के उत्तरी हिस्से को मंजूरी दी गई है। तेलंगाना के प्रतिनिधिमंडल ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी से परियोजना के दक्षिणी हिस्से को मंजूरी देने का आग्रह किया। रेड्डी ने कहा कि गडकरी ने तीन साल में रिंग रोड परियोजना को पूरा करने का आश्वासन दिया है। हालांकि यह इस बात पर निर्भर है कि राज्य सरकार जमीन अधिग्रहण कार्य पूरा करेगी। रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के लिए 340 किलोमीटर की परियोजना पासा पलटने वाला साबित होगी।

पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों पर बोले धर्मेंद्र प्रधान- तेल को जीएसटी के दायरे में लाने का प्रयास जारी

नई दिल्ली:

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने की वजह से घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ रही है। कोरोना वायरस की वजह से आपूर्ति में कटौती हुई थी और साथ ही तेल के उत्पादन पर भी इसका असर पड़ा था। हम जीएसटी परिषद से लगातार पेट्रोलियम उत्पादों को इसके दायरे में शामिल करने का अनुरोध कर रहे हैं क्योंकि इससे लोगों को फायदा होगा। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सोनिया जी को पता होना चाहिए कि राजस्थान और महाराष्ट्र में सबसे अधिक कर है। लॉकडाउन के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों की कमाई बेहद कम थी। हमने नौकरियों में वृद्धि लाने के लिए बजट में विभिन्न क्षेत्रों को बड़े हिस्से आवंटित किए हैं।

बताया कीमत में वृद्धि का कारण

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें आसमान छू रहीं हैं। कई शहरों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के दाम पार गया है। लगातार बढ़ रहे ईंधन के दामों को लेकर विपक्ष लगातार मोदी सरकार पर हमलावर होता जा रहा है। रविवार को धर्मेंद्र प्रधान ने बताया था कि ईंधन की कीमत बढ़ने के पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला अंतरराष्ट्रीय बाजार ने ईंधन का उत्पादन कम कर दिया है। अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए विनिर्माण देश कम ईंधन का उत्पादन कर रहे हैं। इससे उपभोक्ता देशों की परेशानियां बढ़ गईं हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि हम लगातार ओपेक और ओपेक प्लस देशों से आग्रह कर रहे हैं कि ऐसा नहीं होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ईंधन की कीमतें बढ़ने का एक और कारण वैश्विक महामारी कोरोना वायरस भी है।

गूगल ने पूर्ण क्लाउड सेवा प्रदाता का दर्जा प्राप्त किया

नयी दिल्ली,

गूगल क्लाउड को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय की विशेष ऑडिट पूरा होने के बाद पूर्ण क्लाउड सेवा प्रदाता का दर्जा मिल गया है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि मंत्रालय की ओर से की गयी एसटीक्यूसी आडिट में सफल होने पर उसे यह मान्यता मिली है। गूगल क्लाउड इंडिया के प्रबंध निदेशक बिक्रम सिंह बेदी ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि मान्यता मिलने से केंद्रीय व राज्यों के सतर पर सरकारी एजेंसियों समेत भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र को गूगल क्लाउड पर आने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत में ग्राहकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अगले चरण में सरकारी क्षेत्र के संगठनों की जरूरतों को पूरा करने पर काम करना शामिल है। अतः हमें पूर्ण क्लाउड सेवा प्रदाता का दर्जा मिलने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक सरकार को 5,500 करोड़ रुपये की पूंजी के बदले शेयर जारी करेगा

नयी दिल्ली, पंजाब एण्ड सिंध बैंक अगले महीने सरकार को बैंक में 5,500 करोड़ रुपये की पूंजी डालने के बदले में तरजीही शेयर जारी करेगा। बैंक ने नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी है। उसने कहा है कि बैंक के शेयरधारकों की एक असाधारण बैठक 25 मार्च 2021 को होनी है। इस बैठक में सरकार को 5,500 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों की तरजीही आधार पर आवंटन को लेकर विचार किया जायेगा। बैंक ने कहा है कि यह बैठक वीडियो कन्फ्रेंसिंग और इसी प्रकार के अन्य माध्यमों के जरिये होगी। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अतिरिक्त पूंजी डालने के लिये सितंबर में संसद से अनुपूरक अनुदान मांगों के तहत 20,000 करोड़ रुपये की पूंजी के लिये मंजूरी प्राप्त की थी। इसमें से 5,500 करोड़ रुपये की पूंजी पंजाब एण्ड सिंध बैंक में डाली जानी है। शेष राशि को मौजूदा तिमाही के दौरान विभिनन बैंकों में निवेश किया जायेगा।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
Punjab & Sind Bank
(A Govt. of India Undertaking)

दिसंबर तिमाही में 1.3% पर सकारात्मक रह सकती है GDP: रिपोर्ट

नई दिल्ली:

देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष की दिसंबर में समाप्त तिमाही के दौरान सकारात्मक होकर 1.3 प्रतिशत पर पहुंच सकती है। इससे पहले की दो तिमाहियों के दौरान कोरोना वायरस महामारी के फैलने के कारण इसमें बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर में तिमाही के जीडीपी आंकड़े सरकार शुक्रवार को जारी करेगी। डीबीएस बैंक की जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान जीडीपी में 6.8 प्रतिशत की गिरावट रह सकती है। बैंक की रिपोर्ट के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2020 की आखिरी तिमाही (अक्टूबर- दिसंबर) में जीडीपी दर सकारात्मक दायरे में आ सकती है। डीबीएस समूह की शोध अर्थशास्त्री राधिका राव ने कहा कि देश में कोविड-19 की स्थिति में तेजी से सुधार आने और लोगों के खर्च में तेजी से वृद्धि होने के दो ऐसे कारक रहे हैं जो दिसंबर 2020 तिमाही के लिए बेहतर होंगे। भारत की जीडीपी में पहली तिमाही के दौरान 24 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। डीबीएस की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अब तीसरी तिमाही में यह सकारात्मक हो जाएगी और इसमें 1.3 प्रतिशत की वृद्धि होगी। डीबीएस शोध रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक गतिविधियों से पाबंदी हटने के बाद त्यौहारों के मौसम में मांग बढ़ने, दूसरी खपत बढ़ने और क्षमता उपयोग में सुधार आने से अर्थव्यवस्था में सुधार आया है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में भी गतिविधियां शुरू हुई हैं। वर्ष 2020-21 की आर्थिक समीक्षा में अगले वित्त वर्ष के दौरान 11 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

यह अनुमान रिजर्व बैंक के 10.5 प्रतिशत वृद्धि के अनुमान से मामूली अधिक है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक 2021 में भारत 11.5 प्रतिशत वृद्धि हासिल करेगा।

अर्थव्यवस्था के सतत पुनरुद्धार के लिए वृद्धि की रफ्तार तेज करने की जरूरत: दास

मुंबई: अर्थव्यवस्था के सतत पुनरुद्धार को मजबूत करने और तेजी से कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंचने के लिए वृद्धि की रफ्तार को तेज करने की जरूरत है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की पिछली बैठक में ब्याज दरों को यथावत रखने की वकालत करते हुए यह बात कही। बैठक के सोमवार को जारी ब्योरे से यह जानकारी मिली है। एमपीसी के सभी छह सदस्यों ने तीन फरवरी को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में रेपो दर को चार प्रतिशत पर यथावत रखने के पक्ष में मत दिया। सभी सदस्यों ने इसके लिए समान कारण बताए। बैठक के ब्योरे के अनुसार, दास ने कहा, ''हालांकि, वृद्धि अभी असमतल है, लेकिन यह रफ्तार पकड़ रही है। इसके अलावा देश में टीकाकरण कार्यक्रम शुरू होने के साथ परिदृश्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गवर्नर ने कहा, ''अर्थव्यवस्था के सतत पुनरुद्धार के लिए वृद्धि की रफ्तार को और मजबूत करने की जरूरत है, जिससे उत्पादन को जल्द कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंचाया जा सके। दास ने कहा कि मुद्रास्फीति में भारी गिरावट तथा निकट भविष्य के स्थिर परिदृश्य के मद्देनजर मौद्रिक नीति में नरम रुख जारी रखने की जरूरत है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पुनरुद्धार व्यापक हो सके। रिजर्व बैंक ने पांच फरवरी को पिछली मौद्रिक समीक्षा बैठक में नीतिगत दरों में बदलाव नहीं किया था।

रिलायंस ने की अहम घोषणा- तेल-से-रसायन कारोबार के लिए बनेगी अलग कंपनी

नई दिल्ली:

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी और मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) ने अपने तेल-से-रसायन कारोबार के पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई में डिमर्जर की रूपरेखा का ऐलान किया है। इसके लिए कंपनी ने शेयरधारकों और ऋणदाताओं से मंजूरी मांगी है। कंपनी को उम्मीद है कि आगामी वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक इसके लिए मंजूरी मिल जाएगी।

कंपनी को ऐसे होगा फायदा

मुकेश अंबानी के इस कदम से कंपनी को सऊदी अरामको जैसे वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। एक्सचेंजेज को दी गई इसकी जानकारी में कंपनी ने कहा कि ऑयल-टु-केमिकल्स कारोबार के पुनर्गठन से उसे ओटुसी वैल्यू चेन में अवसरों का फायदा उठाने का मौका मिलेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज तेल-से-रसायन कारोबार के लिए अलग इकाई बना रही है। इस कदम से उसे रणनीतिक साझेदारों के साथ वृद्धि के अवसरों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

रिलायंस के शेयर में जोरदार उछाल

इसके बाद से रिलायंस के शेयर में जोरदार उछाल जारी है। 2048 के स्तर पर खुलने के बाद यह आज सुबह 11.45 बजे 29.10 अंक (1.45 फीसदी) की तेजी के साथ 2037.20 के स्तर पर था। पिछले कारोबारी दिन यह 2008.10 के स्तर पर बंद हुआ था। मौजूदा समय में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 13.40 लाख करोड़ रुपये हैं। यानी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से यह देश की सबसे बड़ी कंपनी है।

दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी से बातचीत

मालूम हो कि काफी समय से रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको के साथ 20 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए बातचीत कर रही थी। लेकिन कोरोना वायरस महामारी की वजह से यह डील रुक गई थी। कंपनी के तेल-से-रसायन व्यवसाय का मूल्यांकन 75 अरब डॉलर किया गया था। 15 जुलाई 2020 को हुई रिलायंस इंडस्ट्रीज की 43वीं एजीएम में चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा था कि कोविड-19 महामारी के चलते बनी अभूतपूर्व परिस्थितियों के चलते सऊदी अरामको के साथ प्रस्तावित डील समय से नहीं हो पा रही है। लेकिन हम सऊदी अरामको के साथ अपने दो दशक से ज्यादा के कारोबारी संबंधों का सम्मान करते हैं और उसके साथ लंबी अवधि की भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय कंपनियों में 2021 में होगी 7.7 प्रतिशत वेतन वृद्धि : सर्वे

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियां वर्ष 2021 में अपने कर्मचारियों के वेतन में करीब 7.7 प्रतिशत की वृद्धि करेंगी। मंगलवार को एक सर्वेक्षण में यह दावा किया गया है। वैश्विक पेशेवर सेवा कंपनी एऑन ने मंगलवार को भारत में वेतन वृद्धि पर अपनी ताजा रिपोर्ट में यह बात कही है। सर्वे में 20 उद्योग क्षेत्रों की 1,200 से अधिक कंपनियों की राय को शामिल किया गया है। सर्वे में शामिल 88 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि उनका 2021 में अपने कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि का इरादा है। एऑन के भारत में प्रदर्शन एवं पारितोषिक कारोबार के भागीदार एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नितिन सेठी ने कहा, हम आगामी परिवर्तनों की अनिश्चितता और संभावित प्रभाव को देखते हुए 2021 के वेतन वृद्धि की गति को अधिक समय तक चलते देखने की उम्मीद कर रहे हैं। सर्वे के अनुसार, अन्य कई मजबूत देशों के मुकाबले भारत में वेतन वृद्धि को लेकर मजबूत सुधार के संकेत मिले हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि संकटग्रस्त 2020 में लगाए गए कड़े लॉकडाउन के बावजूद यह भारत में वेतन वृद्धि की संभावना ब्रिक देशों (ब्राजील, रूस, भारत और चीन)में सबसे अधिक है।

एलन मस्क के एक ट्वीट से बिटकॉइन धड़ाम, जानिए क्या रह गई है अब कीमत

बिजनेस डेस्क:

दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स और इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के एक ट्वीट से बिटकॉइन की कीमतों में भारी गिरावट आई। टेस्ला ने हाल में दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में 1.5 अरब डॉलर निवेश किया था। इसके बाद से बिटकॉइन को पंख लग गए थे और कुछ ही दिनों में इसमें भारी उछाल आई थी। मस्क ने इस पर चिंता जताते हुए ट्वीट किया कि बिटकॉइन की कीमत कुछ ज्यादा ही तेजी से बढ़ रही है। बस फिर क्या था उनके इस ट्वीट के कुछ ही घंटों में न्यूयॉर्क में बिटकॉइन की कीमत 8000 डॉलर यानी करीब 17 फीसदी की गिरावट के साथ 50,000 डॉलर के नीचे आ गई। हालांकि फिर इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 52 हजार डॉलर के ऊपर पहुंच गई। इससे पहले टेस्ला और संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से बिटकॉइन को पंख लग गए थे। संस्थागत निवेशकों का कहना है कि बिटकॉइन सोने और डॉलर से बेहतर विकल्प है।

लगातार बढ़ रही है लोकप्रियता

केवल इसी महीने बिटकॉइन की कीमत में 60 फीसदी से ज्यादा उछाल आई है। रविवार को इसकी कीमत 59 हजार डॉलर (करीब 42 लाख 71 हजार रुपए) पहुंच गई थी। जानकारों का कहना है कि सोने की कीमतों में हाल में आई गिरावट के लिए क्रिप्टोकरेंसीज जिम्मेदार हैं। अक्टूबर से बिटकॉइन फंड्स में काफी पैसा निवेश हुआ है जबकि निवेशकों ने सोने से दूरी बनाई है। एसेट क्लास के तौर पर डिजिटल करेंसीज की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है।

भारतीय कंपनियां चालू साल में वेतन में करेगी 7.7% की वृद्धि: सर्वे

नई दिल्ली:

भारतीय कंपनियां इस साल यानी 2021 में अपने कर्मचारियों के वेतन में करीब 7.7 प्रतिशत की वृद्धि करेगी। यह ब्रिक (ब्राजील, रूस, भारत और चीन) देशों में सबसे अधिक है। एक सर्वे में यह निष्कर्ष निकाला गया है। यह पिछले साल में कर्मचारियों के वेतन में हुई 6.1 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। वैश्विक पेशेवर सेवा कंपनी एऑन पीएलसी ने मंगलवार को भारत में वेतनवृद्धि पर अपनी ताजा रिपोर्ट जारी की। सर्वे में शामिल 88 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि उनका 2021 में अपने कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि का इरादा है। 2020 में ऐसा कहने वाली कंपनियों की संख्या 75 प्रतिशत थी। सर्वे में 20 उद्योग क्षेत्रों की 1,200 से अधिक कंपनियों की राय को शामिल किया गया। सर्वे के अनुसार वेतनवृद्धि से मजबूत सुधार का संकेत मिलता है। साथ ही इसमें कहा गया है कि वेतन संहिता पासा पलटने वाली साबित होगी।

एऑन के भारत में प्रदर्शन एवं पारितोषिक कारोबार के भागीदार एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नितिन सेठी ने कहा कि नई श्रम संहिता के तहत वेतन की प्रस्तावित परिभाषा के चलते कंपनियों को ग्रैच्यूटी, छुट्टी के बदले पैसा और भविष्य निधि के लिए ऊंचा प्रावधान करने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, %%श्रम संहिता के वित्तीय प्रभाव के आकलन के बाद कंपनियां साल की दूसरी छमाही में अपने वेतन बजट की समीक्षा करेंगी।%%

सेबी ने एल्कामिस्ट इंफ्रा रीयल्टी, चार अन्य पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली:

बाजार नियामक सेबी ने सामूहिक निवेश योजना के जरिए लोगों से अवैध तरीके से धन जुटाने को लेकर एलकेमिस्ट इंफ्रा रीयल्टी लि. और चार अन्य पर कुल एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। जिन व्यक्तियों पर जुर्माना लगाया गया है, वे ब्रज मोहन महाजन, नारायण माधव कुमार, बलवीर सिंह और चंद्र शेखर चौहान हैं।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को पारित आदेश में कहा कि कंपनी और उससे जुड़े व्यक्ति लोगों से धन जुटाने की गतिविधियों में शामिल थे। यह सामूहिक निवेश योजना (सीआईएस) थी। उन्होंने भूमि विकस के नाम पर पैसा जुटाया था। आदेश के अनुसार कंपनी ने 31 मार्च, 2009, 31 मार्च, 2010 और 31 मार्च,2011 को क्रमशः 54.1 करोड़ रुपए, 449.41 करोड़ रुपए और 1,087.68 करोड़ रुपए जुटाए। मामले में सुनवाई कर रहे सेबी के अधिकारी के सर्वाणन ने कहा कि तीन बही-खातों के रिकॉर्ड से पता चलता है कि कंपनी कम-से-कम 2008-09, 2009-10 और 2010-11 में सामूहिक निवेश योजना चला रही थी। एल्कामिस्ट का गठन 2008 में हुआ।

महाराष्ट्र: प्याज की 75 भंडारण सुविधाओं के लिए मिले 40 हजार से अधिक आवेदन

बिजनेस डेस्क:

औरंगाबाद जिले में कृषि विभाग को इस साल महाराष्ट्र सरकार द्वारा आवंटित होने वाली 75 प्याज भंडारण सुविधाओं के लिए 40,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। कृषि विभाग के अधिकारी ने सोमवार को कहा कि ये भंडारण किसानों को महा फलोत्पादन विकास अभियान के तहत दिए जाने वाले हैं। कुछ काश्तकार अब मांग कर रहे हैं कि सभी आवेदकों को सुविधाएं प्रदान की जाएं। अधिकारी ने कहा कि पिछले साल, लगभग 13 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे और लगभग एक हजार प्याज भंडारण सुविधाएं किसानों को आवंटित की गई थी। उन्होंने बताया कि चालू सीजन के दौरान जिले में लगभग 20 हजार हेक्टेयर भूमि पर प्याज की खेती की गई है। इस साल, औरंगाबाद को 75 प्याज भंडारण सुविधाओं का आवंटन किया गया है। प्रत्येक की लागत 87,500 रुपए है। अधिकारी ने कहा, ''हमें इन सुविधाओं के लिए इस साल ऑनलाइन 40,623 आवेदन मिले हैं।%% उन्होंने कहा कि किसान कुछ या अन्य कल्याणकारी पहल का लाभ पाने की उम्मीद के साथ कई सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन करते हैं। यह आवेदनों की संख्या में वृद्धि का एक कारण है। अधिकारी ने कहा कि भंडारण सुविधाओं का आवंटन एक ऑनलाइन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाता है और चुने गए किसानों को अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है, जो भौतिक रूप से सत्यापित होते हैं।

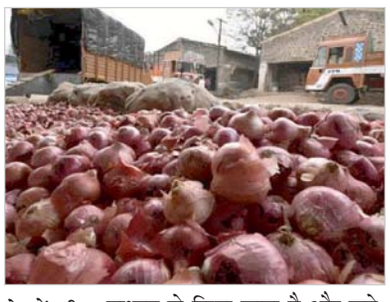

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सविता और रजनी ने काफी मदद की : बिचु देवी

बेंगलुरु. भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर बिचु देवी खरीबाम का कहना है कि उनके खेल को लेकर टीम की अन्य गोलकीपर सविता पुनिया और रजनी एतिमारपु ने उनकी काफी सहायता की है। बिचु देवी 2018 में हुए यूथ ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। इसके अलावा उन्हें उसी साल चार देशों के जूनियर महिला टूर्नामेंट में गोलकीपर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। बिचु देवी ने कहा, सविता दीदी और रजनी दीदी ने मेरी काफी मदद की है। मैंने इन्हें अपनी दिक्कत के बारे में बताया और इन दोनों ने इसे दूर किया। सविता और रजनी ने मुझे दोस्त की तरह देखा और हमेशा मुझे प्यार दिया। मैं इन दोनों का बहुत सम्मान करती हूं। उन्होंने कहा, मैं ओलंपिक के बारे में सोचकर काफी उत्साहित हूं, क्योंकि यह बड़ा टूर्नामेंट है। मुझे काफी मेहनत करनी है। मैं अपने सीनियर और कोचों के बताए गए सलाह को मानने की कोशिश करती हूं।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन

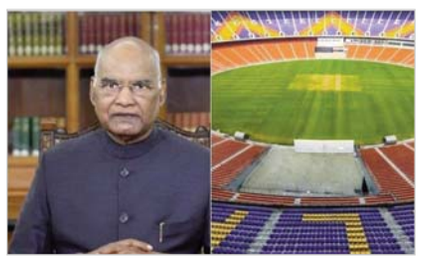

अहमदाबाद ।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बुधवार को यहां दुनिया के सबसे बड़े मोटेरा क्रिकेट स्टेडियम का औपचारिक उद्घाटन और सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एनक्लेव का भूमिपूजन करेंगे। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद होंगे। इस स्टेडियम पर भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा शृंखला का तीसरा टेस्ट शुरू होगा जो दिन रात्रि मैच होगा। शहर के मोटेरा स्थित यह स्टेडियम जो क्रिकेट प्रेमियों के बीच मोटेरा स्टेडियम के नाम से लोकप्रिय है 63 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैला है, जिसमें 1.10 लाख लोगों की बैठने की क्षमता है। अब तक मेलबोर्न का एमसीजी दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम था जिसमें एक साथ में 90,000 लोग बैठ सकते हैं। गुजरात में निर्मित दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के बाद, अब राज्य क्रिकेट में दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम का रिकॉर्ड स्थापित करने जा रहा है। अनुमानित 800 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, इस स्टेडियम का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) कंपनी द्वारा किया गया है जिसने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण भी किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट में 3 कॉर्पोरेट बॉक्स, ओलंपिक स्तर का स्विमिंग पूल, इनडोर अकादमी, चार ड्रेसिंग रूम, फूड कोर्ट और जीसीए क्लब हाउस भी शामिल किया गया हैं। स्टेडियम में छह लाल और पांच काली मिट्टी की कुल 11 पिचें तैयार की गई हैं। मुख्य और अभ्यास पिचों के लिए दोनों मिट्टी का उपयोग करने वाला यह पहला स्टेडियम है। बारिश की स्थिति में पिच को केवल 30 मिनट में सुखाया जा सकता है। अत्याधुनिक एलईडी फ्लडलाइट से वातावरण गर्म नहीं होगा और दर्शकों के साथ-साथ क्रिकेटरों को भी आराम मिलेगा। इस स्टेडियम की एक विशेषता यह भी है कि 9 मीटर की ऊंचाई पर 360 डिग्री पोडियम कोनकोर्स दर्शकों की आवाजाही को सरल बनाती है, साथ ही यह किसी भी स्टैंड से दर्शकों को एक समान दृश्य प्रदान करता है। कॉरपोरेट बॉक्स में प्रत्येक की बैठने की क्षमता 25 है। 150 टन का एयर-कूलिंग टॉवर स्टेडियम के क्लोज ईन हिस्से को वातानुकूलित बनाए रखेंगा। दोनों टीमों के खिलाड़ियों की आवश्यकता के अनुसार विशाल ड्रेसिंग रूम बनाए हैं। दोनों टीमों के लिए अलग-अलग अत्याधुनिक जिम स्थापित किए गए हैं। खिलाड़ी और वीआईपी प्रवेश द्वार के पास एक विशेष लाउंज बनाया गया है। स्टेडियम में ऑटोग्राफ गैलरी में अब तक खेले गए आईपीएल और विश्व कप मैचों की टीमों के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाले बल्लों का संग्रह (ऑटोग्राफ्ड बैट कलेक्शन) आकर्षण का केंद्र है।

मुक्केबाजी : 3 भारतीयों ने स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में किया विजयी आगाज

नई दिल्ली।

एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीत चुके दीपक कुमार सहित तीन भारतीय मुक्केबाजों ने बुल्गारिया के सोफिया में चल रहे 72वें स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट के पहले दिन अपने-अपने भार वर्ग में जीत हासिल की। दीपक (52 किग्रा) ने कजाखस्तान के ओल्जहास बाइनियाजोव को 5-0 से हराया जबकि एक अन्य मुक्केबाज नवीन कुमार (91 किग्रा) में अमेरिका के डारियूस फुलघुम को 3-2 से पराजित किया। उनका अगले राउंड में फ्रांस के विल्फ्राइड फ्लोरेंटीन से मुकाबला होगा। महिला वर्ग में 2017 की विश्व यूथ चैंपियन तथा 2019 की राष्ट्रीय चैंपियन ज्योति गुलिया (51 किग्रा) ने यूक्रेन की तेतिआना कोब को 4-1 से मात दी। ज्योति का अगले दौर में आज कजाखस्तान की नाजिम किजाएबे से मुकाबला होगा। इस बीच साक्षी (57 किग्रा), शशि चोपड़ा (60 किग्रा) और ललिता (69 किग्रा) को अपन-अपने वर्ग के पहले राउंड के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। साक्षी को अमेरिका की आंद्रिया मेडिना ने 4-1 से, चोपड़ा को ब्राजील की बीट्रिज फेरेरा ने 5-0 और ललिता को उजबेकिस्तान की नावबाखोर खामिदोवा के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। ज्योति और नवीन के अलावा कविंदर सिंह बिष्ट (57 किग्रा), नवीन बूरा (69 किग्रा), अंकित खताना (75 किग्रा) और सचिन कुमार (81 किग्रा) का भी आज मुकाबला होना है। भारत की ओर से सात पुरुष और पांच महिला मुक्केबाज इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। इसमें अमेरिका, यूक्रेन, फ्रांस और रूस सहित कुल 30 देशों के मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम मार्च में यूएई और ओमान से खेलेगी दोस्ताना मैच

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम मार्च में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान के साथ दोस्ताना मुकाबले खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बताया कि यह मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। भारत का ओमान के साथ सामना 25 मार्च को जबकि यूएई के साथ 29 मार्च को मैच होगा। भारतीय पुरुष टीम का नवंबर 2019 के बाद यह पहला दौरा होगा। इसके लिए तैयारी कैंप 15 मार्च को दुबई में मुख्य कोच इगोर स्टीमाक के नेतृत्व में होगा। भारत ने आखिरी बार 19 नवंबर, 2019 को 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में ओमान के खिलाफ मुकाबला खेला था जहां उसे 0-1 की हार का सामना करना पड़ा था। कोरोना के कारण क्वालीफायर को स्थगित किया गया था जो अब जून में दोबारा शुरू किया जाएगा। भारत तीन जून को कतर, 11 जून को बांग्लादेश और 15 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

मोटेरा डे-नाइट टेस्ट में एडिलेड के खराब प्रदर्शन का प्रभाव नहीं पड़ेगा : कोहली

अहमदाबाद। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने मंगलवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ यहां मोटेरा के सरदार पटेल स्टेडियम में होने वाले डे-नाइट टेस्ट मैच में मेजबान टीम के ऊपर एडिलेड डे-नाइट टेस्ट मैच के प्रदर्शन का प्रभाव नहीं पड़ेगा, जहां भारतीय टीम दूसरी पारी में केवल 36 रन पर ढेर हो गई थी। कोहली के नेतृत्व वाली टीम इंडिया इस टेस्ट के माध्यम से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने के दावे को मजबूत करना चाहेगी। भारत का वैसे यह तीसरा डे-नाइट टेस्ट है। भारत ने दो मैच घर में और एक बाहर खेला है। भारत और इंग्लैंड के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला डे-नाइट होगा और इसे गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। कोहली ने साथ ही कहा कि इंग्लैंड की टीम भी अपने पिछले डे-नाइट टेस्ट में 2018 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी पहली पारी में केवल 58 रन पर ही सिमट गई थी। कोहली ने मैच की पूर्वसंध्या पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, दोनों क्वालीटी टीमों के पास कुछ अलग अनुभव रहे हैं। अगर आप यही सवाल इंग्लैंड से पूछते हैं तो क्या आप सोच सकते हैं कि वे 50 पर आलआउट हो सकते थे। संभवत = आपका जवाब नहीं होगा। आप समझ सकते हैं कि किसी खास दिन ऐसी चीजें होती रहती है। उन्होंने कहा, आप जो भी करने की कोशिश करते हैं तो ऐसा लगता है कि यह आपके नियंत्रण से बाहर होगा। उस टेस्ट मैच में अगर आप उस 45 मिनट को छोड़ दें तो हमने टेस्ट मैच में अपना दबदबा बनाया था। हम इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि पिंक बॉल टेस्ट में हमें कैसे खेलना है। यहां तक के आस्ट्रेलिया में भी, जहां की पिचें तेज गेंदबाजों को मदद कर रही थी, हमने मेलबर्न में जीत दर्ज की। कोहली को लगता है कि इस पिच पर स्पिनर अपनी भूमिका निभाएंगे, लेकिन साथ ही तेज गेंदबाजों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से स्पिनर अपनी भूमिका में होंगे। लेकिन मुझे नहीं लगता है कि नई गेंद और तेज गेंदबाजों को नजरअंदाज किया जा सकता है। पिंक बॉल तब तक उनको मैच में बनाए रखता है जब तक कि गेंद चमकती रहती है। यह कुछ ऐसा है, जिससे हम अवगत हैं।

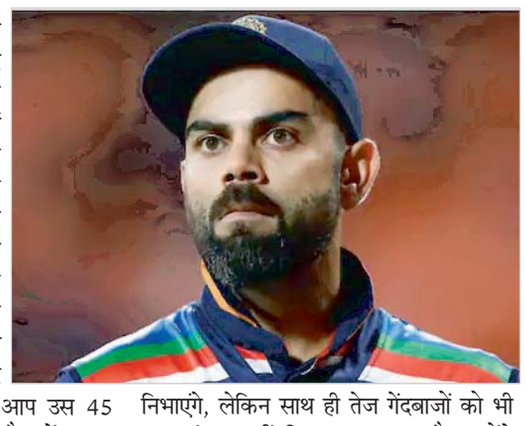

संक्षिप्त समाचार

निशानेबाजी : शॉटगन विश्व कप में भाग लेगा 13 सदस्यीय भारतीय दल

नई दिल्ली। भारत की 13 सदस्यीय निशानेबाजी टीम 24 फरवरी से शुरू होने जा रहे शॉटगन विश्व कप में भाग लेने के लिए मिस्र के काहिरा का दौरा करेगी। कोविड-19 महामारी के बाद से यह पहला आईएसएसएफ विश्व कप टूर्नामेंट होगा। पुरुष और महिलाओं की स्कीट विश्व कप में 33 देशों के करीब 191 निशानेबाज पदकों पर अपना निशाना लगाएंगे। आठ दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में निशानेबाज 10 स्पर्धाओं में अपनी किस्मत आजमाएंगे। निशानेबाजों के पास वर्ल्ड रैंकिंग प्वाइंट्स के आधार पर टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का यह आखिरी टूर्नामेंट होगा। भारतीय पुरुष स्कीट टीम ने टोक्यो ओलंपिक का कोटा पहले ही हासिल कर लिया है और इस टीम में अंगद बाजवा, मैराज अहमद खान और गुरजोत खांगरा शामिल है। महिला स्कीट टीम में गनीमत शेखोन, परीनाज धालीवाल और कृतिकि सिंह शेखावत है। महिलाओं की स्कीट इवेंट का पहला फाइनल 25 फरवरी को और इसके बाद इसी दिन पुरुषों का स्कीट फाइनल होगा। स्कीट फाइनल्स विश्व रिकॉर्डधारी बाजवा ने कहा, करीब एक साल बाद यह पहला टूर्नामेंट होगा और ओलंपिक से पहले इसे हम मैच अभ्यास की तरह ले रहे हैं, जोकि लय में लौटने के लिए बेहद जरूरी है। शॉटगन के मुख्य कोच मानशेर सिंह ने कहा, यह साल का पहला विश्व कप है और लॉकडाउन के बाद इसके काफी महत्व है क्योंकि हमें इससे 2021 कलैंडर की अच्छी शुरुआत मिलेगी।

न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को आईपीएल में नजरअंदाज किया गया : डुल

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज और क्रिकेट कमेंटेटर साइमन डुल का मानना है कि आईपीएल में न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों की अनदेखी की जाती है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मैच में न्यूजीलैंड के डोवोन कॉनवे ने 99 रनों की शानदार पारी खेली थी और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। कॉनवे की पारी के बाद भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल नीलामी को दर्शाते हुए कहा कि कॉनवी की यह पारी चार दिन देरी से आई है। इस पर डुल ने जवाब देते हुए ट्वीट कर कहा, न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को वर्षों से आईपीएल में नजरअंदाज किया गया है। आईपीएल के बाद बिग बैश ऐसा टूर्नामेंट है जहां खिलाड़ियों को परखा जाता है।उन्होंने कहा, जब से आईपीएल की शुरुआत हुई है तब से 94 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को 886 करोड़ रुपये और 31 न्यूजीलैंड खिलाड़ियों के लिए 212 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। दोनों देशों की कुल छह प्रथम श्रेणी टीमें हैं और दोनों देशों के घरेलू टी20 टूर्नामेंट होते हैं।

टेक महिंद्रा कराएगा ग्लोबल शतरंज लीग – विश्वनाथन आनंद बने मेंटर

नई दिल्ली (निकलेश जैन) लंबे समय से शतरंज लीग कराने की मांग शतरंज प्रेमियों द्वारा की जाती रही है हालांकि जब से भारतीय टीम नें इस वर्ष शतरंज ओलंपियाड का स्वर्ण पदक जीता तब से इस मांग नें और ज़ोर पकड़ लिया था उस समय भारतीय टीम को बधाई देते हुए उद्योगपति आनंद महिंद्रा नें शतरंज के लिए कुछ करने की इच्छा जताई थी और कल टेक महिंद्रा ग्रुप नें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गोलबल शतरंज लीग कराने की घोषणा कर दी है जो शायद अब इस खेल को नयी ऊंचाइयों पर ले जा सके । बड़ी बात यह है की विश्वनाथन आनंद भी इस लीग से जुड़ गए है कल उन्होने खुद इसकी घोषणा करते हुए सभी को खुशखबरी दी । आनंद इस लीग से मेंटर , सहयोगी और सलाहकार के तौर पर जुड़ गए है । लीग की प्रारम्भिक जानकारी के अनुसार इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की 8 फ्रेंचायजी टीम होगी जिनमें शीर्ष स्तर से लेकर , महिला और जूनियर खिलाड़ियों को भी शामिल किया जाएगा । पहले चरण मे राउंड रॉबिन मुक़ाबले होंगे और फिर शीर्ष चार टीम प्ले ऑफ मे जगह बनाएँगी । जल्द ही लीग का ढांचा और टीमों की जानकारी सामने आने की संभावना है । प्रतियोगिता डिजिटल और ऑन द बोर्ड दोनों माध्यम से खेली जाएगी । 5 बार के विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने कहा, ÷शतरंज एक ऐसा खेल है जो दुनिया भर के लाखों लोगों द्वारा खेला जाता है। इस समय, इसे और लोकप्रिय बनाने एक अनूठा अवसर मौजूद है। मैं यह साझेदारी करके खुश हूं, जिसका समर्थन निश्चित रूप से खेल को उच्च स्तर तक ले जाएगा और दुनिया भर में शतरंज को लोकप्रिय बनाने के लिए सही मंच प्रदान करेगा। इस वैश्विक लीग प्रारूप के माध्यम से, हम शतरंज की भावना को बनाए रखने में सक्षम होंगे और आगामी प्रतिभाओं को सही मंच प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे। आनंद महिंद्रा नें कहा ÷ हाल ही में, ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड और शतरंज पर आधारित एक टीवी श्रृंखला की अत्यधिक लोकप्रियता मिली है । हम आशा करते हैं कि इस लीग से इस खेल के पुनरुत्थान की भावना को बढ़ावा मिलेगा और शतरंज की दुनिया में पुनर्जागरण आएगा।

लाहिरु की जगह श्रीलंका टीम में शामिल किए गए लकमल

कोलंबो। तेज गेंदबाज सुरंगा लकमल को कोरोना से संक्रमित लाहिरु कुमारा की जगह वेस्टइंडीज दौरे के लिए श्रीलंका की सीमित ओवर टीम में शामिल किया गया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, लाहिरु 20 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। लेकिन वह बाद में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे इसलिए सीमित ओवर की सीरीज में उनका भाग लेना संभव नहीं है। लकमल श्रीलंका के लिए वनडे में आखिरी बार 2019 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेले थे। श्रीलंका को विंडीज के साथ तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इस सीरीज की शुरूआत तीन मार्च को होगी। सभी मुकाबले एंटीगा में दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

टीम : दिमुथ करुणारत्ने (कप्तान), दासुन शनाका, दनुष्का गुणाथिलके, पैथुम निसांका, एशेन बंडारा, ओशदा फर्नांडो, दिनेश चंडीमल, एंजेलो मैथ्यूज, नीशान डिकवेला, थिसारा परेरा, कामिंदु मेंडिस, वानिंदु हसरंगा, रमेश मेंडिस, मेंडिस मेंड्रा। दुशमंथा चमीरा, अकिला दाननाज्य, लखन संदकन, दिलशान मदुशंका, सुरंगा लकमल।

सेरी-ए : रोनाल्डो के 2 गोलों से जुवेंतस ने क्रोटोने को 3-1 से हराया

रोम।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार दो गालों की बदौलत जुवेंतस ने क्रोटोने को इटालियन लीग सेरी-ए में 3-1 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार रात खेले गए इस मुकाबले में जुवेंतस के लिए रोनाल्डो ने 38वें और 45वें मिनट में दो गोल दागे। रोनाल्डो ने ये दोनों गोल हेडर के जरिए किया। सेरी-ए में उनका यह 70वां गोल है। उनके अलावा मैक्मेनी ने 66वें मिनट में गोल किया। इस जीत के बाद जुवेंतस और टेबल टॉपर इंटर मिलान के बीच केवल आठ अंकों का ही फासला रह गया है। इंटर मिलान के 53 अंक है जबकि जुवेंतस 45 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है।

मोटेरा में इतिहास रचेंगे ईशांत, खेलेंगे अपना 100वां टेस्ट

अहमदाबाद ।

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज इशांत शर्मा **(Ishant Sharma)** बुधवार से इंग्लैंड के साथ मोटेरा स्थित सरदार पटेल स्टेडियम **(Sardar Patel Stadium)** में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच **(Ind Vs Eng)** के लिए मैदान पर उतरने के साथ ही कपिल देव के बाद 100 टेस्ट मैच खेलने वाले दूसरे भारतीय तेज गेंदबाज बन जाएंगे। यह डे-नाइट टेस्ट मैच होगा। इस स्टेडियम की क्षमता 1 लाख 10 हजार है और यह अब दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बन चुका है। इसी स्टेडियम में भारत के सर्वकालिक महान टेस्ट गेंदबाज अनिल कुम्बले ने भी अपना 100वां टेस्ट खेला था।

साल 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ ढाका में अपने टेस्ट करियर का आगाज करने वाले ईशांत ने अब तक कुल 99 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 32.22 की औसत से 302 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने घर में 39 टेस्ट मैचों में 103 विकेट जबकि घर से बाहर 60 टेस्ट मैचों में 199 विकेट झटके हैं। घर में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 78 रन पर नौ विकेट और घर से बाहर 108 रन पर 10 विकेट हैं। दिल्ली के तेज गेंदबाज ने अपने करियर में अब तक सबसे ज्यादा विकेट आस्ट्रेलिया के खिलाफ लिए हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 टेस्ट मैचों में 59 विकेट चटकाए हैं। इसके अलावा उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 19 टेस्ट मैचों में 61, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 टेस्ट मैचों में 31, वेस्टइंडीज के खिलाफ 12 टेस्ट मैचों में 46 लिए हैं। उन्होंने साथ ही श्रीलंका के खिलाफ 12 टेस्ट मैचों में 36, न्यूजीलैंड के खिलाफ सात टेस्ट मैचों में 35, बांग्लादेश के खिलाफ सात टेस्ट मैचों में 25, पाकिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट में पांच और अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट में चार विकेट चटकाए हैं।

ईशांत अब तक छह कप्तानों के अंडर में खेल चुके हैं। ये छह कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़, महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे रहे हैं। ईशांत ने कहा है कि एक ही फॉर्मेट में खेलने से उनके लिए तेजी से 100 टेस्ट मैच खेलने की उपलब्धि तक पहुंचना आसान हुआ है।

हालांकि उन्होंने साथ ही कि बतौर तेज गेंदबाज कपिल देव के 131 टेस्ट मैच खेलने के रिकॉर्ड की बराबरी करने पर फिलहाल उनका ध्यान नहीं है। ईशांत ने कहा, अगर आप इसे सकारात्मक रूप में सोचेंगे तो आपके लिए यह और आसान और बेहतर होगा। एक ही फॉर्मेट में खेलते रहने से 100 टेस्ट तक पहुंचने में आसानी हुई है।

अगले महीने रिंग में वापसी करेंगे विजेंदर, जल्द होगी प्रतिद्वंद्वी की घोषणा

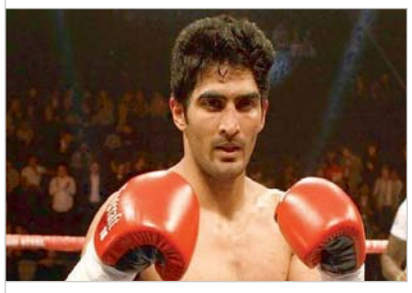

नई दिल्ली । भारतीय पेशेवर मुक्केबाज विजेंदर सिंह कोविड-19 महामारी के कारण एक साल से भी अधिक समय तक बाहर रहने के बाद अगले महीने रिंग में वापसी करेंगे और उनके प्रतिद्वंद्वी की घोषणा जल्द की जाएगी। यह मुकाबला भारत में होगा लेकिन इसके स्थान का खुलासा बाद में किया जाएगा। विजेंदर के प्रमोटर्स आईओएस बॉक्सिंग प्रमोशन ने बयान में कहा, 'प्रमोटर्स उनके प्रतिद्वंद्वी, तिथि और स्थान को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं लेकिन विजेंदर सिंह पेशेवर मुक्केबाजी में 12-0 (आठ नाकआउट जीत) के अपने अजेय अभियान को आगे बढ़ाने के लिए मार्च में निश्चित तौर पर रिंग में उतरेंगे। इसमें कहा गया है, 'इस मुकाबले के साथ युवा और प्रतिभाशाली मुक्केबाजों के भी आपस में मुकाबले होंगे। विजेंदर मौजूदा डब्ल्यूबीओ ओरिएंटल और डब्ल्यूबीओ एशिया पैसेफिक सुपर मिडिलवेट चैंपियन हैं। उन्होंने नवंबर 2019 में अपना आखिरी मुकाबला लड़ा था। यह विजेंदर का भारत में पांचवां मुकाबला होगा। इससे पहले वह नयी दिल्ली, मुंबई और जयपुर में मुकाबले लड़ चुके हैं। यह भारतीय पिछले एक महीने से कड़ा अभ्यास कर रहा है और मुकाबले के लिये तैयार है। विजेंदर ने कहा, 'मैं रिंग में लौटने के लिये वास्तव में उत्साहित हूं और मुकाबले के लिए खुद को फिट रखने के लिये कड़ी मेहनत कर रहा हूं। प्रतिद्वंद्वी वास्तव में मायने नहीं रखता है क्योंकि मैं अपने विजय अभियान को आगे बढ़ाने पर ध्यान दे रहा हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शाहिद कपूर के साथ ही हॉलीवुड को भी टक्कर देंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड की गाड़ी एक बार फिर धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। ऐसे में हाल फिलहाल में ही कई बड़ी फिल्मों की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। कोविड महामारी के चलते कई फिल्मों की रिलीज अटकी हुई थी और सिनेमाघरों में ताला पड़ा था, लेकिन जैसे- जैसे सिनेमाघरों का खुलना शुरू हुआ, वैसे ही वैसे फिल्मों की रिलीज डेट भी सामने आ गई हैं। ऐसे में आपको बताते हैं हाल ही में किन बड़ी फिल्मों की रिलीज डेट का ऐलान हुआ है।

बेल बॉटम

28 मई 2021 को अक्षय कुमार की फिल्म बेल बॉटम सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वाणी कपूर, हुमा कुरैशी, लारा दत्ता और आदिल हुसैन भी हैं।

फास्ट एंड फ्यूरियस 9

हॉलीवुड की मशहूर फिल्म सीरीज फास्ट एंड फ्यूरियस का 9वां पार्ट भी 28 मई 2021 को ही रिलीज होगा। यानी अक्षय कुमार और विन डिजल के बीच बड़ा क्लैश देखने को मिल सकता है। बता दें कि फास्ट एंड फ्यूरियस के फैन्स सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हैं।

83

1983 के क्रिकेट वर्ल्ड कप पर आधारित फिल्म 83 की भी रिलीज डेट सामने आ गई है। फिल्म 4 जून 2021 को रिलीज होगी। फिल्म में रणवीर सिंह, कपिल देव का किरदार निभाते नजर आएंगे। बता दें कि फिल्म का निर्देशन कबीर खान ने किया है।

अतरंगी रे

ऑनस्क्रीन पहली बार सारा अली खान, धनुष और अक्षय कुमार एक साथ नजर आएंगे। इन तीनों की फिल्म अतरंगी रे 06 अगस्त 2021 को रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है।

झुंड

अमिताभ बच्चन की झुंड की भी रिलीज डेट आखिरकार सामने आ गई है। फिल्म 18 जून 2021 को रिलीज होगी।

पृथ्वीराज और जर्सी

याद दिला दें कि एक ओर जहां 28 मई को अक्षय कुमार विन डिजल के साथ टक्कर लेते दिखाई देंगे तो वहीं दिवाली के मौके पर अक्षय की टक्कर शाहिद कपूर से होगी। दरअसल अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर की फिल्म पृथ्वीराज और शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी, दिवाली के खास मौके पर रिलीज होगी।

पीके का बनेगा सीक्वल

रणबीर कपूर आएंगे नजर

साल 2014 में आई आमिर खान और अनुष्का शर्मा स्टारर फिल्म 'पीके' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था। इस फिल्म के लास्ट सीन में रणबीर कपूर भी दिखाई दिए थे। अब ऐसी चर्चा है कि फिल्म के सीक्वल में आमिर के बाद रणबीर कपूर कहानी को आगे ले जाएंगे। बताया जा रहा है कि प्रोड्यूसर विधु विनोद चोपड़ा ने इसकी पूरी तैयारी भी कर ली है। खबरों के अनुसार पीके का सीक्वल बनाए जाने की पुष्टि निर्माता विधु विनोद चोपड़ा ने की। उन्होंने बताया कि वे अच्छे समय में पीके का सीक्वल बनाएंगे। पिछले पार्ट में रणबीर कपूर के चरित्र को फिल्म के अंत की ओर ग्रह पर उतरते हुए दिखाया था। इसलिए अब, रणबीर ही कहानी को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि लेखक अभिजात जोशी ने अभी इसकी कहानी लिखी नहीं है। मगर इसके पूरे होते ही पार्ट 2 बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। फिल्म 'पीके' एक ऐसे किरदार के इर्दगिर्द घूमती नजर आई जो दूसरी दुनिया से आया था। वो देखने में भले ही इंसानों जैसा हो लेकिन उसकी समझ काफी ज्यादा थी। उसका स्वभाव सरल और सौम्य था। फिल्म में आमिर की दमदार एक्टिंग ने लोगों को खूब हंसने पर मजबूर किया।

अंडमान में वेकेशन एंजॉय कर रहीं इलियाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह इन दिनों अंडमान द्वीप समूह में छुट्टियां मना रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक तस्वीर पोस्ट की हैं। इस तस्वीर में इलियानी ब्लैक कलर की बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ बेसबॉल कैप भी पहना हुआ है, जिससे उनका पूरा लुक काफी ग्लैमरस लग रहा है। वहीं तस्वीर के बैकग्राउंड में बीच का सुंदर नजारा दिख रहा है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए इलियाना ने कैप्शन में लिखा, 'इन दिनों में मुझे खुद पर यकीन नहीं हो रहा है। अभी भी एक समय में एक छोटे से बच्चे की तरह कदम आगे बढ़ रहे हैं।' इलियाना की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इलियाना की सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग हैं। वह फैंस के साथ अक्सर अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो इलियाना डिक्रूज बलविंदर सिंह निर्देशित फिल्म 'अनफेयर एंड लवली' में रणदीप हुड्डा के साथ नजर आएगी। इसके अलावा वह 'द बिग बुल' में भी काम करती दिखाई देंगी।

प्रियंका चोपड़ा ने पति को दिया सरप्राइज

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल आइकॉन बन चुकी हैं। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास की जोड़ी को फैंस खूब पसंद करते हैं। वहीं प्रियंका भी अपने प्यार का इजहार करने से कतराती नहीं हैं। हाल ही में प्रियंका और निक को काम के सिलसिले में व्यस्त होने के कारण एक-दुसरे से अलग रहना पड़ा। अब प्रियंका ने लॉस एंजिल्स में रहने के बावजूद अपने हबी का स्वागत लंदन में बड़े ही धूमधाम से करते हुए निक को सरप्राइज दिया जिसका वीडियो निक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा हैं। निक जोनास ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रियंका चोपड़ा द्वारा दिए गए सरप्राइज का वीडियो शेयर किया। निक ने इस प्यारे से वीडियो को शेयर कर प्रियंका को धन्यवाद कहते हुए कैप्शन में लिखा, 'मेरी पत्नी ने आज मुझे (ऑल द वे फ्रॉम लंदन) सरप्राइज किया। धन्यवाद प्रियंका चोपड़ा। आप सबसे अच्छे हैं।' इस वीडियो में निक एक अंधेरे कमरे में खड़े दिखाई दे रहे हैं वह रोशनी के लिए लाइट ऑन करते हैं और कहते हैं कि तो यह हुआ। वह दिखाते हैं कि कमरे को कैसे गुब्बारों और दूसरी डेकोरेशन की चीजों से सजाया गया था। दो गुब्बारे पर लिखा था 'सैटरडे नाइट लाइव' और 'मुबारक निक'। ये दिखाने के बाद निक स्माइल के साथ कहते हैं, 'ये बहुत अच्छा है, धन्यवाद बेब।' निक का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। कई सारे फैंस कमेंट्स कर रिएक्शन दे रहे हैं। बता दें की निक जोनस 27 फरवरी को अपना आगामी शो 'सैटरडे नाइट लाइव शो' बतौर गेस्ट के तौर पर ही नहीं बल्कि शो को होस्ट करते नजर आएंगे। प्रियंका चोपड़ा की शादी निक जोनास से जोधपुर में साल 2018 में हुई थी।

हंसना मेरी रोज की थैरेपी है

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने उस एक खास थैरेपी के बारे में शेयर किया है, जो वे रोजाना लेती हैं। रकुल ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह पानी के ऊपर हैमोक में झूला झूल रही हैं। इस फोटो के साथ उन्होंने लिखा, ''हंसी मेरी रोज की थैरेपी है।'' रकुल अमिताभ बच्चन और अजय देवगन के साथ थ्रिलर ड्रामा 'मेडे' के लिए तैयार हैं। यह फिल्म अजय देवगन द्वारा निर्देशित और निर्मित है। इसमें रकुल एक पायलट की भूमिका में नजर आएंगी। बता दें कि 'दे दे प्यार दे' के बाद उनकी अजय देवगन के साथ यह दूसरी फिल्म है। इसके अलावा वह फिल्म 'डॉक्टर जी' में अर्जुन कपूर, जॉन अब्राहम और अदिति राव हैदरी के साथ नजर आएंगी।

'द मैरिड वुमन' में अपने किरदार को लेकर मोनिका डोगरा ने कहा

ऑल्ट बालाजी और जी5 के आगामी बहुचर्चित शो 'द मैरिड वुमन' में मोनिका डोगरा को पीपलीका नामक सेंट्रल किरदार में दिखाया जाएगा। इस शो को दर्शकों, फर्टेनिंटी और क्रिटिक्स द्वारा शानदार कथा, दमदार परफॉर्मेंस और म्यूजिक के लिए समान रूप से सराहा जा रहा है। मोनिका को पीपलीका जैसी शक्तिशाली भूमिका के साथ अभिनय की दुनिया में वापस लौटने पर सौभाग्यशाली महसूस हो रहा है, क्योंकि उनके अनुसार यह एक लेयर्ड करैक्टर है। मोनिका ने बताया, पीपलीका स्वयं का एक इनोवेशन है जो तब होता है जब आपके पास कोई फिल्टर नहीं होता है और अक्सर कोई डर नहीं होता है, और मुझे नहीं लगता कि मैं वह हूं। लेकिन निश्चित रूप से, मुझ में कई तरीकों से उसके बहुत से एलिमेंट्स हैं। शूटिंग के दौरान ऐसे बहुत क्षण आए जब मुझे लगा कि एक कला जीवन का किस तरह अनुकरण करती है। वह आगे कहती हैं, मैं एक अभिनेता के रूप में लंबे अंतराल के बाद आई हूं और मुझे लगता है कि कभी-कभी यह ऊपरवाले की योजना होती है और अब मुझे समझ में आया कि प्लान क्या था और यह वह किरदार जिसकी मुझे कमबैक के लिए आवश्यकता थी। मैं आपको बता नहीं सकता यह कितनी दिलचस्प, बारीक और जटिल कहानी है। 'द मैरिड वुमन' एक अरबन रिलेशनशिप ड्रामा है जो महिलाओं और समाज में उन पर लगाई गई कंडीशन व खुद को खोजने के बारे में है। शो में रिधि डोगरा और मोनिका डोगरा सेंट्रल करैक्टर है जिसमें इमाद शाह, दिव्या सेठ शाह, नादिरा बब्बर और सुहास आहूजा इत्यादि जैसे उल्लेखनीय कलाकार भी शामिल हैं।

'जोगीरा सारा रा रा' में नवाजुद्दीन संग इश्क लड़ाएंगी नेहा शर्मा

एक्ट्रेस नेहा शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में इन दोनों के अलावा संजय मिश्रा और मिमोह चक्रवर्ती की भी महत्वपूर्ण भूमिका देखने को मिलेगी। फिल्म की शूटिंग लखनऊ के पास बाराबंकी शहर में होनी है। इसके बाद लखनऊ, रहीमाबाद और बनारस में कार्यक्रम होंगे। कुषाण नंदी फिल्म का निर्देशन करेंगे। आपको बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन कुषाण नंदी कर रहे हैं। ये फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी। इस फिल्म के बारें में एक बयान जारी करते हुए निर्देशक कुषाण नंदी ने कहा कि फिल्म जोगीरा सारा रा रा! एक रोमांटिक कॉमेडी है, जो दो अलग-अलग प्रकार के लोगों पर आधारित हैं। हम इस महीने के अंत से उन सभी के साथ शेड्यूल खत्म करना शुरू कर देते हैं, और अप्रैल के मध्य तक आगे बढ़ेंगे। अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए निर्देशक कहते हैं कि खुशी है कि आखिरकार हम सेट पर जा रहे हैं और शूटिंग शुरू करेंगे। साथ ही मैं नेहा के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। आपको बता दें कि नवाज और कुषाण नंदी इससे पहले 2017 की एक्शन-थ्रिलर बाबूमोशाय बंदूकबाज में एक साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म नईम ए सिद्दीकी, टचवुड मल्टीमीडिया क्रिएशंस द्वारा निर्मित की जा रही है और किरण श्याम श्रॉफ इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। जबकि गालिब असद भोपाली द्वारा इसे लिखा गया है। ये फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी। जानकारी के लिए बता दें कि नवाज इसके पहले भी एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में काम कर चुके हैं। इस फिल्म का नाम मोतीचूर चकनाचूर था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास बिजनेस तो नहीं किया लेकिन फिल्म को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर खूब प्यार मिला। इस फिल्म में नवाज के साथ एक्ट्रेस आथिया शेट्टी थीं।

वेब सीरीज 'ह्यूमन' की स्टार कास्ट में शामिल हुईं सीमा बिस्वास

लगभग तीन दशक के अपने शानदार फिल्मी करियर में, सीमा बिस्वास ने कई यादगार किरदारों को चित्रित किया है। और अब, दिग्गज अभिनेत्री को निर्देशक-निर्माता विपुल अमृतलाल शाह के बहुप्रतीक्षित वेब शो 'ह्यूमन' में एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाया जाएगा, जो एक मेडिकल थ्रिलर है जिसमें शेफाली शाह और कीर्ति कुल्हारी भी नजर आएंगी। जबकि निर्माताओं ने सीमा के किरदार से जुड़ी जानकारी गोपनीय रखी है। विपुल शाह ने साझा किया, शेफाली शाह और कीर्ति कुल्हारी के बाद, अब हम सीमा ह्यूमन की कास्ट में शामिल हो गई हैं। हम सभी जानते हैं कि सीमा कितनी अद्भुत एक्टर हैं। बैंडिट क्वीन से लेकर अब तक, उन्होंने कुछ सबसे शानदार परफॉर्मेंस दी हैं। एक शो में इन तीन कलाकारों के साथ काम करना बहुत खुशी और सम्मान की बात है। एक निर्देशक के लिए इस तरह के अभिनेताओं का संयोजन प्राप्त करना बहुत दुर्लभ है, इसलिए मैं और मोजेज दोनों धन्य, उत्साहित और खुश हैं।

वेब सीरीज आश्रम के लिए बॉबी देओल को मिला दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल की वेब सीरीज 'आश्रम' को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। आश्रम के 2 सीजन आए और दोनों ही हिट साबित हुए। आश्रम की सफलता के बाद बॉबी देओल के पास कई प्रोजेक्ट की लाइन लग गई है। वहीं बॉबी देओल ने ओटीटी सीरीज का बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीता। बॉबी देओल को 'आश्रम' में बाबा का किरदार करने के लिए दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 20 फरवरी को मुंबई में 5वें दादा साहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया था। आश्रम के दूसरे सीजन ने बॉबी देओल की किस्मत ही बदल दी। एक्टर पिछले कई साल से अपने घर पर थे। बॉबी ने बताया था कि उन्हें शराब की लत भी लग गई थी। लेकिन फिर उन्होंने काम करने का फैसला किया और सलमान खान से मिलने पहुंचे। सलमान ने बॉबी को अपनी फिल्म रेस 3 में मौका दिया। बॉबी देओल आखिरी बार हाउसफुल 4 में नजर आए थे। वह जल्द ही अपने 2 में नजर आने वाले हैं। यह 2007 में आई फिल्म अपने का सीक्वल है। अपने 2 में देओल परिवार की चार पीढ़ियां एक साथ नजर आने वाली हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुर्दे से जुड़ा कॅरियर है नेफ्रोलॉजी

नेफ्रोलॉजी एक स्पेशल शाखा है जो खासतौर से गुर्दे व इससे संबंधित समस्याओं पर ही काम करती है। एक नेफ्रोलॉजिस्ट किडनी को प्रभावित करने वाली बीमारियों का पता लगाने के लिए रक्त परीक्षण, मूत्र परीक्षण और बायोप्सी जैसे विभिन्न परीक्षण करते हैं।

नेफ्रोलॉजी शब्द से शायद बहुत से लोग अनजान हों, लेकिन वास्तव में यह एक बेहद आकर्षक और जिम्मेदारी भरा कॅरियर है। नेफ्रोलॉजी ग्रीक शब्द 'नेफ्रोस' से लिया गया है जिसका अर्थ है 'किडनी' और 'लॉजी', 'का अध्ययन', जिसका अर्थ है किडनी का अध्ययन। यह विज्ञान है जो गुर्दे से संबंधित है, विशेष रूप से उनके कार्यों या बीमारियों से। नेफ्रोलॉजी चिकित्सा विशेषता है जो किडनी की स्थिति और असामान्यताओं पर ध्यान केंद्रित करती है, जिसमें गुर्दे के सामान्य कार्य, गुर्दे की समस्याओं और गुर्दे की रिप्लेसमेंट थेरेपी के उपचार यानी डायलिसिस और किडनी प्रत्यारोपण शामिल हैं। एक नेफ्रोलॉजिस्ट, जिसे रीनल फिजिशियन भी कहा जाता है, एक मेडिकल डॉक्टर है जो मानव किडनी से संबंधित बीमारियों और स्थितियों में एक्सपर्ट है। नेफ्रोलॉजिस्ट गुर्दे की बीमारी, इलेक्ट्रोलाइट डिसऑर्डर, गुर्दे की विफलता, उच्च रक्तचाप और गुर्दे की पथरी जैसी कई स्थितियों का निदान और उपचार करते हैं। नेफ्रोलॉजी एक स्पेशल शाखा है जो खासतौर से गुर्दे व इससे संबंधित समस्याओं पर ही काम करती है। एक नेफ्रोलॉजिस्ट किडनी को प्रभावित करने वाली बीमारियों का पता लगाने के लिए रक्त परीक्षण, मूत्र परीक्षण और बायोप्सी जैसे विभिन्न परीक्षण करते हैं। उनके उपचार में इलेक्ट्रोलाइट और रक्तचाप, दवा और डायलिसिस का विनियमन शामिल है। गुर्दे की बायोप्सी और कैथेटर प्लेसमेंट जैसी प्रक्रियाओं को छोड़कर, वे सर्जरी नहीं करते हैं, हालांकि वे अक्सर यूरोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम करते हैं।

योग्यता – एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि नेफ्रोलॉजी पाठ्यक्रमों को अधिकांश मेडिकल स्कूलों में विशेषज्ञता के रूप में पेश किया जाता है। नेफ्रोलॉजिस्ट बनने के लिए छात्रों को पहले आवश्यक बुनियादी योग्यता एमबीबीएस डिग्री करना जरूरी है जिसे मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से प्राप्त किया जाता है। एमबीबीएस पूरा करने के बाद, उन्हें जनरल मेडिसिन में एमडी की डिग्री के लिए जाना चाहिए। एमडी प्रवेश भी प्रवेश परीक्षा पर आधारित है। जिन उम्मीदवारों ने जनरल मेडिसिन में एमडी पूरा कर लिया है, वे नेफ्रोलॉजी में डीएम की डिग्री या नेफ्रोलॉजी में डीएनबी के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस डिग्री को प्राप्त करने के बाद, वे नेफ्रोलॉजिस्ट के रूप में अभ्यास कर सकते हैं। नेफ्रोलॉजिस्ट को अभ्यास करने के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होती है।

व्यक्तिगत कौशल – एजुकेशन एक्सपर्ट के अनुसार, एक नेफ्रोलॉजिस्ट में अपने रोगियों और डॉक्टरों के साथ प्रभावी ढंग से संपर्क करने के लिए अच्छे पारस्परिक कौशल रखने चाहिए। इसके अलावा, दृढ़ संकल्प, और टीम भावना उनके काम को अधिक आसान बनाती है। वहीं धैर्य, आत्म प्रेरणा और दबाव में काम करने की क्षमता नेफ्रोलॉजिस्ट के लिए आवश्यक लक्षण हैं। इतना ही नहीं, उन्हें हमेशा जागरूक होना चाहिए और इस क्षेत्र में उपलब्ध नवीनतम उपचारों के बारे में अपडेट रहना चाहिए।

रोजगार की संभावनाएं

नेफ्रोलॉजिस्ट निजी व सरकारी अस्पतालों, गुर्दे और डायलिसिस केंद्रों और सामान्य चिकित्सा केंद्रों में काम कर सकते हैं। लगभग सभी अस्पतालों में नेफ्रोलॉजी विभाग हैं और इसलिए एक अनुभवी नेफ्रोलॉजिस्ट की जरूरत हर अस्पताल में महसूस की जाती है। इसके अलावा अनुभवी नेफ्रोलॉजिस्ट अपने स्वयं के क्लीनिक खोल सकते हैं। वे विभिन्न मेडिकल स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षण कार्य का विकल्प भी चुन सकते हैं। यहां तक कि अनुसंधान भी कर सकते हैं।

आमदनी – निजी अस्पतालों में, नेफ्रोलॉजिस्ट प्रति माह 1,00,000–1,50,000 रुपये के बीच वेतन प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि, अनुभव के आधार पर आपकी आमदनी इससे भी अधिक हो सकती है। वहीं, सरकारी क्षेत्र में नेफ्रोलॉजिस्ट को अपने अनुभव और विशेषज्ञता के आधार पर 60,000 रुपये से 80,000 रुपये के बीच वेतन मिल सकता है। वेतन के अलावा उन्हें पेंशन, मुफ्त आवास और कई अन्य भत्तों की सुविधाएं भी प्राप्त होती हैं।

प्रमुख संस्थान

एम्स, नई दिल्ली सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर
नेफ्रो यूरोलॉजी संस्थान, बैंगलोर श्री वेंकटेश्वर चिकित्सा विज्ञान संस्थान, तिरुपति
श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंदौर
किंग एडवर्ड मेमोरियल हॉस्पिटल और सेठ गोर्धनदास सुंदरदास मेडिकल कॉलेज, मुंबई

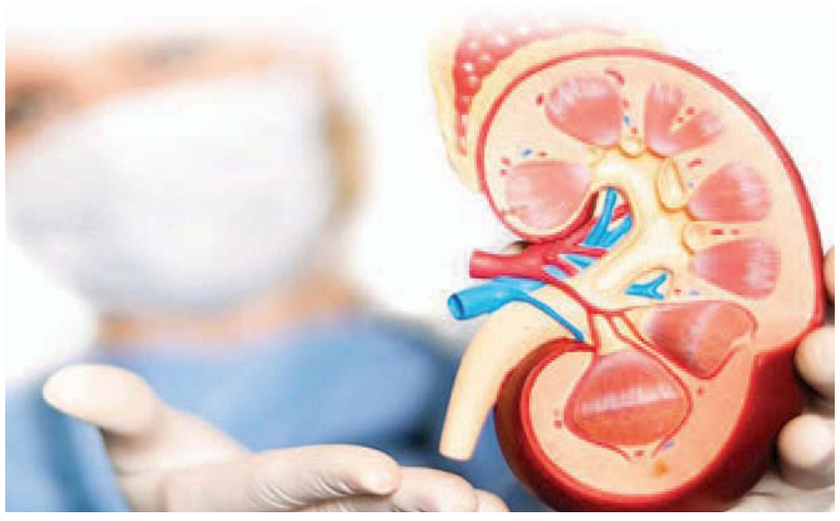

घर बैठे करें यह कोर्सेज और खुद को बनाएं अधिक काबिल

इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनल्स में भी वीडियो एडिटर्स की डिमांड बढ़ती ही जा रही है। यह सारी चीजें वीडियो एडिटर के तौर पर आपको अच्छा खासा पैसा दे सकती हैं। एक प्रोफेशनल के तौर पर भी आपके सामने वीडियो एडिटिंग के कई आप्शन उपलब्ध हैं।

हमने आपने अक्सर इस बात को सुना होगा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और यह काफी हद तक सच भी है। अगर कोई व्यक्ति सीखना चाहे, कोई व्यक्ति कुछ नया करना चाहे तो निश्चित रूप से वह कभी भी यह कर सकता है। वर्तमान में कोविड 19 के कारण लोगों की जीवनचर्या में खासा परिवर्तन आ चुका है। तमाम स्कूल–कॉलेज लर्न फ्रॉम होम पर जोर दे रहे हैं, तो कई कंपनियां वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन अपने एम्पलाइज को दे रहे हैं। पर यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि कई लोगों की जॉब इस महामारी के कारण जा चुकी है, तो कई अपना प्रोफेशन चेंज करने को मजबूर हो गए हैं। ऐसे में उनके सामने कुछ नया करने के, कुछ नया सीखने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। हालाँकि, जो लोग जॉब में हैं, वह भी सम्बंधित फिल्ड में नयी चीजें सीखकर आगे बढ़ सकते हैं। इसी कड़ी में आपको हम पांच कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जो घर बैठे आसानी से सीखे जा सकते हैं और इस तरह से आप अपने कॅरियर को धार दे सकते हैं।

कंटेंट राइटिंग

संभवत : यह ऐसी स्किल है, जो हर कोई थोड़ा बहुत जानता है। बचपन से ही किसी बच्चे को स्कूल में, कॉलेज में निबंध लिखना सिखाया जाता है। जाहिर तौर पर आपके अंदर यह स्किल पहले से है और इंटरनेट पर बैठकर आप अपनी इसी स्किल को और ज्यादा अच्छे ढंग से शार्प कर सकते हैं। इसके लिए तमाम कोर्सेज फ्री हैं, तो कुछ पेड कोर्सेज भी आप कर सकते हैं। सबसे ज्यादा आसान रास्ता यह है कि आप नई–नई चीजों को लगातार पढ़ें, खासकर जिस तरह के कंटेंट आफ लिखना चाहते हैं, उस तरह का कंटेंट ज्यादा से ज्यादा पढना पड़ेगा। इसके अलावा कई सारी ऑनलाइन मीटिंग, वेबिनर इत्यादि हो रहे हैं, उस ऑनलाइन मीटिंग को अटेंड करें। कई सारे राइटर्स को आप पसंद करते होंगे, उन लेखकों से संपर्क करने की कोशिश करें और लगातार अभ्यास करें। टूटे–फूटे शब्दों में लिखते रहें और अपना एक छोटा सा ब्लॉग बनाकर उसे पब्लिश भी कर सकते हैं। अपने सोशल मीडिया पर आप यह कर सकते हैं। इन जगहों पर आपको आइडिया लग जाएगी कि वास्तव में कहां कमी है और आपकी कौन सी चीज अधिक मजबूत है।

वीडियो एडिटर

वर्तमान में यह सर्वाधिक चलने वाली चीज बन चुकी है। आप ने कई सफल यूट्यूबर की कहानी सुनी ही होगी। कई बार उन यूट्यूबर का वीडियो भी देखा होगा। आप यह जान लें कि एक सक्सेसफुल यूट्यूबर का रुतबा किसी प्रकार से एक सेलिब्रिटी से कम नहीं होता है। उसकी अपनी फैन–फॉलोइंग होती है, तो उसका टशन भी होता है। एक वीडियो एडिटर के तौर पर आपके सामने खुद का चैनल स्टार्ट करके एक सफल यूट्यूबर बनने का विकल्प होता है तो कई यूट्यूब चैनल्स में कार्य भी कर सकते हैं। इस प्रकार से तमाम इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनल्स में भी वीडियो एडिटर्स की डिमांड बढ़ती ही जा रही है। यह सारी चीजें वीडियो एडिटर के तौर पर आपको अच्छा खासा पैसा दे सकती हैं। एक प्रोफेशनल के तौर पर भी आपके सामने वीडियो एडिटिंग के कई आप्शन उपलब्ध हैं। तो क्यों ना आप खुद वीडियो एडिटिंग सीखें। इसके लिए कई सारे सॉफ्टवेयर मौजूद हैं, जिसमें फिल्मोरा, काइन मास्टर, इनशॉट्स इत्यादि का नाम गिनाया जा सकता है, तो प्रोफेशनल एडिटिंग सीखने के लिए आपको एडोब प्रीमियर प्रो या एप्पल का एफसीपी सीखना बेहतर रहेगा। जानकारी लेने के लिए आपके पास यूट्यूब पर तमाम कंटेंट फ्री में उपलब्ध हैं, तो पेड कंटेंट भी आप ले सकते हैं। अनअकेडमी, उडेमी इत्यादि जगहों पर बकायदे ट्यूटर आपको सिखा देंगे।

शेयर मार्केट के बारे में जानें

रातों–रात अमीर बनने के सपने शेयर मार्केट द्वारा कइयों के लिए संभव हुआ है। हालांकि यह इतना आसान नहीं है, लेकिन शेयर मार्केट की एबीसीडी समझकर आप एक कंसल्टेंट के तौर पर जरूर कार्य कर सकते हैं और इस दुनिया में अपने नए सफर की शुरुआत भी कर सकते हैं। यह कॅरियर आपके लिए काफी लकी साबित हो सकता है। इसे सीखने के बाद आप पार्ट टाइम या फुल टाइम जॉब भी कर सकते हैं। हां, इसके लिए आपको थोड़ा अलर्ट रहना पड़ेगा और प्रोएक्टिव रहना पड़ेगा और तब जाकर आप इस मार्केट की बारीकियों को समझ पाएंगे। ऑनलाइन फ्री में आप इसके बारे में काफी कुछ सीख सकते हैं, जबकि उडेमी जैसी कई संस्थाएं आपको सर्टिफिकेट कोर्स करा सकती हैं, जिसके लिए वह थोड़ा–बहुत फीस भी चार्ज करती हैं।

वेब डिजाइन एंड डेवलपमेंट

आज भी इसकी अच्छी खासी जरूरत है। रेडीमेड टूल्स के जमाने में भी वेबसाइट बनाने वाले कंसल्टेंट्स की पूछ कम नहीं हुई है। यहां डिजाइन के लिए आपको एचटीएमएल की जरूरत पड़ती है, वहीं वेब डेवलपमेंट के लिए आपको पीएचपी जैसी किसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को चुनना होता है। हालाँकि, आज के समय में कई सारे सीएमएस यानी कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम, जैसे वर्डप्रेस, जुमला, द्रुपल इत्यादि सॉफ्टवेयर आते हैं, जो बेहद आसानी से इंस्टॉल भी हो जाते हैं और एक से बढ़कर एक फीचर इसमें ऑलरेडी इंक्लूड होते हैं। जाहिर तौर पर आपको इस फिल्ड की जानकारी लेनी पड़ेगी, किंतु यकीन मानिए अगर आप सच में सीखना चाहते हैं तो ऑनलाइन कई चीजें मुफ्त में सीख सकते हैं। कोई प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सीख सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

म्यूजिक की दुनिया में जाएँ

गायन या किसी खास इंस्ट्रूमेंट को बजाना सीखना आपके लिए खासा रोचक साबित हो सकता है। यह लीक से हटकर जरूर है, लेकिन अगर आप किसी खास वाद्य–यंत्र को बजाने में सफलता हासिल कर लेते हैं तो आप इसे दूसरों को आसानी से सिखा सकते हैं या एक प्रोफेशनल के तौर पर आप इसे कॅरियर के तौर पर भी आजमा सकते हैं। अगर इन सब चीजों की आवश्यकता आप को नहीं होती है, तो भी आप को सुकून देने के लिए यह सबसे बेहतर रास्तों में से माना जा सकता है। अगर आप एक वाद्य यंत्र जैसे बांसुरी, हारमोनियम, गिटार या फिर ऐसी ही कोई चीज बजा लेते हैं, तो यकीन मानिये, आप पूरे जीवन भर खुद को कभी अकेला महसूस नहीं करेंगे। जाहिर तौर पर आप का शौक भी पूरा होगा और अगर आपको आवश्यकता महसूस होती है तो आप इसे कॅरियर के तौर पर भी आजमा सकते हैं। ऑनलाइन आप इसकी बारीकियां सीख सकते हैं, कोई कई जगह पेड कोर्सेज में भी एडमिशन ले सकते हैं।

अगर आप भी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं

सीपीटी के बाद आपको आईपीसीसी, अर्थात इंटीग्रेटेड प्रोफेशनल कंप्यूटर कोर्स में एडमिशन लेना पड़ता है। इस प्रोग्राम में अकाउंटेंसी के साथ-साथ ऑडिटिंग, टैक्सेशन, बिजनेस कम्युनिकेशन और इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी के जरूरी अध्याय शामिल किए जाते हैं।

भारत में कुछ बेहद प्रोफेशनल और सम्मानित पाठ्यक्रमों में से एक है चार्टर्ड अकाउंटेंट का पाठ्यक्रम! तमाम कंपनीज की फाइनेंस फॉर्मेलिटीज पूरी करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण जो व्यक्ति होता है, वह चार्टर्ड अकाउंटेंट ही होता है। कंपनी की पूरी की पूरी फाइनेंसियल जिम्मेदारी इस व्यक्ति पर होती है। खास बात यह है कि इसमें कमाई भी काफी है। ऐसे में अगर आप भी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं तो आइए इसके लिए जरूरी आवश्यक जानकारी लेते हैं। कॉमर्स के स्टूडेंट्स के लिए यह बेहद पसंदीदा जॉब मानी जाती है। किसी नागरिक को इनकम टैक्स का रिटर्न भरना हो या फिर फाइनेंशियल प्लानिंग करनी हो, किसी कंपनी की ऑडिट करनी हो, साथ ही टैक्सेशन से लेकर इन्वेस्टमेंट से संबंधित ट्रांजैक्शन हो, उसके लिए सीए के बिना आपका कार्य नहीं चल सकता है।

ऐसे में इस कोर्स के लिए आपको कक्षा दसवीं के बाद ही अलर्ट हो जाना होता है। दसवीं के तुरंत बाद आपको इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाने वाली सीपीटी एग्जामिनेशन में भाग लेना पड़ता है। सीपीटी, अर्थात कॉमन प्रोफिशिएंसी टेस्ट और इसमें मुख्य रूप से जनरल इकोनॉमिक्स, मार्केट, एकाउंटिंग जैसे विषय सम्मिलित होते हैं। सीपीटी के बाद आपको आईपीसीसी, अर्थात इंटीग्रेटेड प्रोफेशनल कंप्यूटर कोर्स में एडमिशन लेना पड़ता है। इस प्रोग्राम में अकाउंटेंसी के साथ–साथ ऑडिटिंग, टैक्सेशन, बिजनेस कम्युनिकेशन और इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी के जरूरी अध्याय शामिल किए जाते हैं। यह 12वीं क्लास के बाद किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से दो ग्रुप होते हैं और पहले ग्रुप में 4 तथा दूसरे ग्रुप में तीन पेपर शामिल होते हैं।

आईपीसीसी के बाद आईटीटी का नंबर आता है, यानी इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी ट्रेनिंग! इस कोर्स में कम्युनिकेशन स्किल के साथ–साथ बिजनेस एनवायरनमेंट, ऑफिस प्रोसीजर, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, कमर्शियल एस्पेक्ट्स जैसे सब्जेक्ट शामिल किए जाते हैं। तत्पश्चात नंबर आता है आर्टिकलशिप का! आर्टिकलशिप बेहद इंपोर्टेंट ट्रेनिंग पीरियड माना जाता है। इसमें तकरीबन 3 साल के लिए किसी रजिस्टर्ड सीए के पास आपको असिस्टेंट के तौर पर कार्य करना होता है। जाहिर तौर पर यहां आप काफी कुछ सीखते हैं।

फाइनल एग्जाम की तैयारी

इतना सब कुछ करने के बाद आप सीए का फाइनल एग्जाम देते हैं और इसे पास करने के बाद आप सीए कहला सकते हैं। हालांकि इसमें आठ पेपर इंक्लूड होते हैं। इसमें रिस्क मैनेजमेंट, कारपोरेट एंड इकोनामी क्लास, एडवांस्ड ऑडिटिंग एंड प्रोफेशनल एथिक्स, फाइनेंशियल रिपोर्टिंग, फाइनेंसियल मैनेजमेंट इत्यादि विषय शामिल होते हैं। आईपीसीसी और फाइनल एग्जाम साल में दो बार यानी मई एवं नवम्बर में होते हैं। जीएमसीएस, अर्थात सीए का एग्जाम पास करने के बाद यह 15 दिन का एक छोटा कोर्स होता है और इसमें जनरल मैनेजमेंट के साथ–साथ कम्युनिकेशंस की ट्रेनिंग आपको दी जाती है।

आईसीएआई की मेंबरशिप और सीए की शुरुआत अंत में आपको इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया में खुद को रजिस्टर्ड करना होता है और एनरोलमेंट के बाद आप अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। ध्यान रहे, सीए किसी भी बिजनेस का सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है। फाइनेंस पर पूरी तरह से कंट्रोल होता है। फाइनेंसियल रूप से कंपनी में क्या होता है, क्या नहीं होता है, इसकी पूरी जानकारी सीए को रखनी होती है, क्योंकि आने वाले समय में गवर्नमेंट की एजेंसीज उस कंपनी से संबंधित दस्तावेजों से पूछताछ करती हैं और उसके लिए सीए ही जवाबदेह होता है। जाहिर तौर पर कम्पनी का सारा का सारा दारोमदार अपने सर पर होने पर सीए को बेहद जिम्मेदारी से कार्य करना होता है। इसके कारण ही यह पेशा शीर्ष प्रोफेशन में गिरा जाता है। सीए की ऑफिसियल वेबसाइट पर जाकर आप और भी काफी कुछ जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात के नगर निगम चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत, कांग्रेस का सूपड़ा साफ

576 सीटों में भाजपा को 483, कांग्रेस को 55, आप को 27, एआईएमआईएम को 7 सीटें

क्रांति समय दैनिक

गुजरात के 6 नगर निगम के चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत हुई है और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। दक्षिण गुजरात के एक मात्र नगर निगम सूरत में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला। सूरत में आम आदमी पार्टी (आप) ने तो अहमदाबाद में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने कांग्रेस का खेल बिगाड़ दिया। सूरत नगर निगम कांग्रेसमुक्तहो गया है और वहां आप विपक्ष बनकर सामने आई है। सौराष्ट्र के दो नगर निगम राजकोट और भावनगर में कांग्रेस सिंगल डिजिट में सिमट गई। मध्य गुजरात के अहमदाबाद और वडोदरा में कांग्रेस की बुरी तरह से हार हुई है। अहमदाबाद नगर निगम की कुल 192 सीटों में भाजपा को 159, कांग्रेस को 25, एआईएमआईएम को 7 और एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई है7 अहमदाबाद के जमालपुर वार्ड में एआईएमआईएम के चारों उम्मीदवार जीत गए हैं। जबकि मक्तमपुरा वार्ड में एआईएमआईएम को ३ और 1 सीट कांग्रेस के खाते में गई है। 120 सीटों वाले सूरत नगर निगम में भाजपा ने 93 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है और आप के खाते में 27 सीटें गई हैं। सूरत में कांग्रेस अपना खाता तक

नहीं खोल पाई। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के गृह नगर राजकोट नगर निगम की 72 सीटों में से भाजपा ने 68 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस को केवल 4 सीटों से संतोष करना पड़ा। वडोदरा महानगर पालिका में भाजपा 69 और कांग्रेस को 7 सीटों पर विजय मिली। जामनगर नगर निगम की 64 सीटों में भाजपा ने 50, कांग्रेस ने 11 और ३ सीटों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। जामनगर में पहली बार मायावती की पार्टी बसपा ने जीत हासिल की है। वहीं भावनगर नगर निगम की 52 में से भाजपा ने 44 और कांग्रेस ने 8 सीटों पर विजय पाई है। 2015 के चुनाव के मुकाबले कांग्रेस ने मौजूदा नगर निगम के चुनाव में करीब 124 सीटें गंवा दी हैं। 2015 के नगर निगम चुनाव में कांग्रेस को पाटीदार आंदोलन का फायदा हुआ था और उसे 174 सीटों जीत दर्ज की थी। जबकि भाजपा के खाते में करीब 390 सीटें गई थीं। मौजूदा चुनाव में भाजपा ने 483 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस को केवल 55 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। 6 नगर निगमों की कुल 576 सीटों में भाजपा को 483, कांग्रेस को 55, आप को 27, एआईएमआईएम को 7, बसपा को 3 और एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती है।

गुजरात के परिणाम अब तक के सबसे अच्छे नतीजों में एक :अमित शाह

क्रांति समय दैनिक

गुजरात के छह नगर निगमों के चुनाव में प्रचंड जीत पर जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज के नतीजे गुजरात में अब तक सबसे अच्छे परिणामों में से एक है। भाजपा ने 576 सीटों पर चुनाव लड़ा और उसमें करीब 85 फीसदी सीटों पर जीत दर्ज की है। जबकि कांग्रेस चुनाव में बुरी तरह से पराजित हुई है। उन्होंने कहा कि पूरे गुजरात में कांग्रेस को अब तक केवल 44 सीटें मिली हैं, जबकि भाजपा इकलौते भावनगर नगर निगम में 44 सीटें जीत चुकी है। छह नगर निगम चुनाव में मिली सफलता से साफ है कि पूरे गुजरात की जनता ने भाजपा का समर्थन किया है। इसके श्रेय गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील और उनकी टीम को जाता है। अमित शाह ने कहा कि कोरोना का काल के बाद यह पहला चुनाव था और विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाने का प्रयास किया। लेकिन जिस प्रकार देशभर में पीएम मोदी के नेतृत्व में और गुजरात में विजय रूपाणी और नितिन पटेल के नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ी गई। कोरोना के खिलाफ सही समय पर की गई कार्यवाही पर गुजरात की जनता ने मुहर लगाई और स्पष्ट संदेश दिया है कि संकट की घड़ी में दायित्व निभाने का जज्बा भाजपा बहुत अच्छी तरह से निभाया है। शाह ने कहा कि देशभर में किसान आंदोलन, कोरोना समेत कई प्रकार की भ्रांतिया विपक्ष ने फैलाने का प्रयास किया। लेकिन हर भ्रांतियों को तोड़ते हुए भाजपा के पक्ष में अच्छे नतीजे आए हैं। लेह लद्दाख से लेकर हैदराबाद तक और गुजरात के बाद अब बंगाल में होनेवाले चुनाव में भी अच्छे नतीजे भाजपा प्राप्त करेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में गुजरात में भाजपा को ऐतिहासिक सफलता मिली है और इसके लिए विजय रूपाणी, नितिन पटेल और सीआर पाटील समेत उनकी पूरी टीम को जीत के लिए हार्दिक बधाई। साथ ही गुजरात की जनता के प्रति आभार व्यक्तकरना चाहता हूं जिन्होंने फिर एक बार सिद्ध कर दिया कि गुजरात भाजपा का गढ़ है। उन्होंने कहा कि नगर निगमों के चुनाव में कई सीटों पर कांग्रेस जमानत तक नहीं बचा पाई। कई सीटों पर कांग्रेस तीसरे और चौथे नंबर पर पहुंच गई और केवल 44 सीटें प्राप्त की हैं। चुनाव में जनता ने कांग्रेस को परास्त कर उसके नेताओं को चिंतन करने का संदेश दिया है।

अमित शाह ने कहा कि नगर पालिका, जिला और तहसील पंचायतों में भी नगर निगम की तर्ज पर जनता चट्टान की तरह भाजपा के साथ खड़ी रहेगी और मोदी का समर्थन कर फिर एक बार गुजरात भाजपा का गढ़ है, इसे दोहराएगी।

कांग्रेसमुक्तहुआ सूरत नगर निगम, भाजपा को 93 और आप ने जीती 27 सीटें

क्रांति समय दैनिक

दक्षिण गुजरात की सूरत महानगर पालिका चुनाव में कांग्रेस जबर्दस्त झटका लगा है। सूरत ही नहीं राज्य के सभी 6 नगर निगमों में कांग्रेस की शर्मनाक हार हुई है। कांग्रेस का सबसे बुरा हाल सूरत महानगर पालिका में हुआ है, जहां उसका खाता भी नहीं खुला। पाटीदारों का गढ़ माने जाते सूरत में गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल भी पार्टी को सफलता दिलाने में नाकाम हुए हैं। 2015 के पाटीदार आंदोलन के एपी सेंटर रहे सूरत में गत चुनाव में कांग्रेस ने 36 सीटें जीती थीं। पाटीदार आंदोलन के बावजूद भाजपा 79 सीटें जीतने में सफल रही थी। 120 सीटों वाले सूरत नगर निगम में भाजपा ने 93 और आप ने 27 सीटें जीती हैं। गुजरात में पहली बार नगर निगम चुनाव लड़ने वाली आप खासकर सूरत में कांग्रेस का विकल्प बनकर उभरी है। हांलाकि सूरत को छोड़

अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, जामनगर ओर भावनगर नगर निगम में आप का खाता नहीं खुला है। लेकिन अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। गुजरात के नतीजों से गदगद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि ''नई राजनीति की शुरुआत के लिए गुजरात के लोगों से हृदय से अभिनंदन।'' बता दें कि मतदान से पहले भी अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया था। जिसमें उन्होंने लिखा था ''एक मौका आप को, फिर देखो गुजरात को।'' सूरत नगर निगम में सत्ता तो नहीं मिली लेकिन आप विपक्ष बनकर उभरी है।

गुजरात में पहली बार कोई तीसरा राजनीतिक दल विपक्ष की भूमिका निभाएगी। आप को सूरत में कांग्रेस वोटरों में सेंध लगाने में सफल रही है। साथ ही उम्मीदवारों के चयन में पास बनाम कांग्रेस की लड़ाई का भी आप को सूरत में फायदा हुआ है।

इसके अलावा आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया सूरत के मूल निवासी हैं और पाटीदार समाज से आते हैं। इन सभी का सूरत में आप को फायदा हुआ है और कांग्रेस को सबसे बड़ा नुकसान।

सार–समाचार

7 संतानों के पिता ने नाबालिग पुत्री से किया दुष्कर्म, पहुंचा सलाखों के पीछे

साबरकांठा,जिले के हिम्मतनगर में पिता-पुत्री के पवित्र रिश्तों को तार तार करने वाली घटना सामने आई है। 7 संतानों के पिता ने अपनी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता और उसकी माता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर में 60 वर्षीय आरोपी पत्नी, पांच पुत्री और दो पुत्रों के साथ रहता है। सोमवार की सुबह आरोपी की पत्नी मजदूरी करने गई थी। जबकि चार संतानें स्कूल गई थीं। उस वक्त7 संतानों के पिता ने 17 वर्षीय अपनी सगी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पड़ौस में रहनेवाली महिला को जब इसका पता चला तो वह तुरंत मोपेड लेकर मजदूरी करने गई आरोपी की पत्नी के पास पहुंच गई और उसके पति के दुष्कृत्य की जानकारी दी। काम छोड़ घर पहुंची महिला अपनी बेटी की हालत देख कांप उठी। नाबालिग बेटी कमरे का दरवाजा बंद कर बाहर खड़ी रो रही थी। बेटी को लेकर महिला बी डिवीजन थाने पहुंची और अपने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। घटना को गंभीरता से लेते पुलिस तुरंत हरकत में आई और आरोपी शख्स को उसके घर से दबोच लिया और पोक्सो समेत अन्य दफाओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी।

भरूच में केमिकल कारखाने में जोरदार विस्फोट के बाद लगी आग, 24 लोग घायल

गुजरात के भरूच जिले में मंगलवार सुबह एक केमिकल कारखाने में भीषण आग लग गई। आग के साथ संयंत्र में धमाके हुए जिनकी चपेट में आकर 24 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि झगड़िया में केमिकल कंपनी यूपीएल-5 के संयंत्र में मंगलवार तड़के २ बजे यह हादसा हुआ। आग पर काबू करने की कोशिश की जा रही है। चश्मदीदों का गहना था कि धमाका इतना जबर्दस्त था कि उसकी आवाज 10 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके की वजह से धरती भी कांप उठी थी। लोग घरों से बाहर निकल आए। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। इस हादसे में केमिकल प्लांट के करीब 24 कर्मचारी घायल हुए हैं। इन सभी को भरूच और वडोदरा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाके और आग की वजह से धुएं और धूल का गुबार छाया था। फिलहाल आग बुझाने की कोशिश की जा रही है।

गांधी नगर में मंगलवार को गुजरात केन्द्रीय विश्व विद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद।

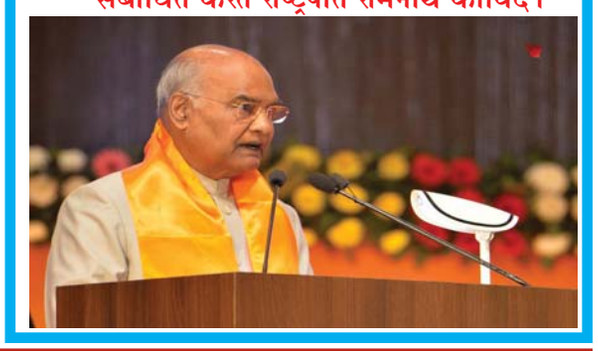

दो दिवसीय गुजरात यात्रा पर अहमदाबाद पहुंचे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

क्रांति समय दैनिक

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आज दोपहर अहमदाबाद

पहुंचे। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उनकी धर्मपत्नी सविता कोविंद का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस मौके पर राज्य के मुख्य सचिव अनिल मुकिम, अतिरिक्त मुख्य सचिव कमल दयानी, राज्य के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया, अहमदाबाद जिला कलेक्टर संदीप सागले और शहर पुलिस आयुक्तसंजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अहमदाबाद एयरपोर्ट से राष्ट्रपति गांधीनगर रवाना हो गए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हरियाणा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस: भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को कहा कि अगले महीने शुरू हो रहे विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस राज्य सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी कृषि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) कानून में संशोधन की मांग भी रखेगी ताकि फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हो सके। अपने आवास पर बैठक के बाद हुड्डा ने कहा, ''विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के बाद हम अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। कांग्रेस एपीएमसी कानून में संशोधन की मांग भी रखेगी ताकि फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हो सके।'' राज्य विधानसभा का बजट सत्र पांच मार्च से शुरू हो रहा है। हुड्डा ने दावा किया कि सरकार का समर्थन करने वाले विधायकों में ''विद्रोह के स्वर'' उठ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अविश्वास प्रस्ताव से लोगों को पता चलेगा कि कौन सा विधायक सरकार के साथ है और कौन किसानों के साथ।

सूरत में जीत से गदगद केजरीवाल करेंगे गुजरात का दौरा

नई दिल्ली। गुजरात के निकाय चुनाव के परिणाम आज आए और बीजेपी सभी छह निगमों में बंपर जीत दर्ज की। अहमदाबाद, सूरत, बड़ोदरा, जामनगर, भावनगर और राजकोट को बीजेपी को तो जबरदस्त कामयाबी हासिल हुई। जबकि कांग्रेस ने बेहद ही खराब प्रदर्शन किया है। सूरत में तो कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ हो गया है। बीजेपी ने 120 में से 93 सीटों पर जीत मिली वहीं हैरत करने वाली बात है कि 27 सीटों पर आम आदमी पार्टी ने कब्जा किया है। इस जीत से उत्साहित दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 26 फरवरी को रोड शो करेंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल 26 फरवरी को गुजरात का दौरा करेंगे और सूरत में रोड शो करेंगे।

कोविड-19 के चलते लोग सावधानी बरतें और नियम कायदों को पालन करें: गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश के कुछ राज्यों में कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों में फिर से हो रही वृद्धि के मद्देनजर लोगों से सावधान रहने और स्वास्थ्य संबंधी नियम कायदों का पालन करने की अपील की है। गहलोत ने मंगलवार को ट्वीट किया,'' महाराष्ट्र, केरल और मध्य प्रदेश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। देश में कोरोना के ब्रिटेन वाले नये प्रारूप के अलावा दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील से आए नए रूप के मामले भी मिले हैं।'' गहलोत के कहा कि पिछले साल इसी समय देश में कोरोना के मामलों में वृद्धि शुरू हुई थी, केरल के बाद राजस्थान आए विदेशी पर्यटक संक्रमित हुए थे और देखते-देखते लाखों लोग संक्रमित हो गए व 1 लाख 56 हजार से अधिक लोगों की जान चली गई, इसलिए यह वक्त बेहद सावधानी बरतने का है। मुख्यमंत्री ने लिखा है,''आप सभी के सहयोग से अभी तक राजस्थान में कोरोना महामारी काबू में है लेकिन पूरी तरह सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें व कोई भी लक्षण दिखने पर स्वयं को आइसोलेट कर अपना कोविड टेस्ट अवश्य करवाएं। थोड़ी सी लापरवाही सभी के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।'' उल्लेखनीय है कि राजस्थान में सोमवार तक संक्रमण के कुल 3,19,626 मामले सामने आ चुके हैं। राज्य में इस खतरनाक वायरस से 2785 लोगों की मौत हो चुकी है।

लाल किला घटना: अदालत ने दीप सिद्धू को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान लाल किला हिंसा मामले में कार्यकर्ता-अभिनेता दीप सिद्धू को मंगलवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गौरतलब है कि केन्द्र के नए कृषि कानूनों के विरोध में किसानों ने गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ट्रैक्टर परेड निकाली थी, लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन हिंसक हो गया और इसी बीच कुछ लोगों ने लाल किले पर चढ़कर ध्वज स्तंभ पर धार्मिक झंडा लगा दिया। इस दौरान आईटीओ पर बड़ी संख्या में किसानों की पुलिस से झड़प हुई और तोड़-फोड़ की घटना भी हुई। सिद्धू को इस मामले में सात दिनों की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट समरजीत कौर की अदालत में पेश किया गया था। इससे पहले पुलिस द्वारा सिद्धू को लाल किले की घटना के लिए भड़काने वाला मुख्य आरोपी बताए जाने पर अदालत ने अभिनेता को पुलिस हिरासत में भेजा था।

राष्ट्रपति ने पुडुचेरी के मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद का इस्तीफा किया स्वीकार

पुडुचेरी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विधानसभा में विश्वासमत गंवाने के एक दिन बाद पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी नारायणसामी और उनकी मंत्रिपरिषद का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी एक अधिसूचना में कहा गया, ''राष्ट्रपति ने पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी नारायणसामी समेत उनकी मंत्रिपरिषद का इस्तीफा 22 फरवरी से स्वीकार कर लिया है।'' पुडुचेरी की उपराज्यपाल के राजनिवास द्वारा अधिसूचना की एक प्रति मीडिया को उपलब्ध करायी गयी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर बोले, आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा

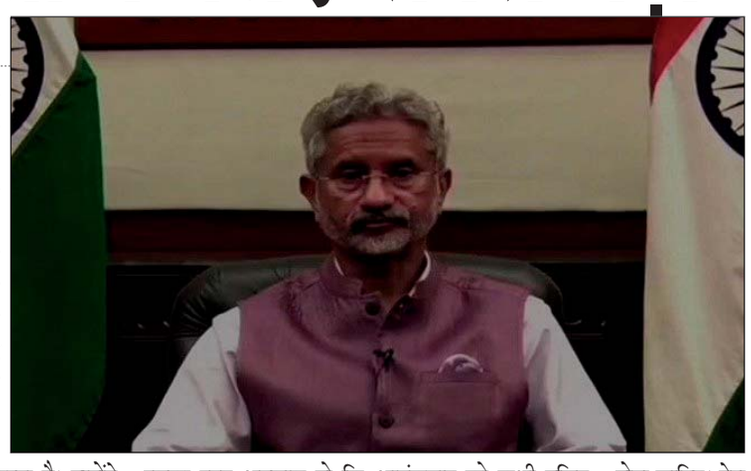

जिनेवा। (एजेंसी)।

आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि मानवाधिकार के मामलों से निपटने वाली संस्थाओं को अहसास होना चाहिए कि आतंकवाद को कभी उचित नहीं ठहराया जा सकता ना ही इसके प्रायोजकों की तुलना पीड़ितों से की जा सकती है। मानवाधिकार परिषद के 46 वें सत्र के उच्चस्तरीय खंड को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद मानवता के खिलाफ अपराध है और यह जीवन के अधिकार के सबसे मौलिक मानवाधिकार का उल्लंघन करता है। उन्होंने डिजिटल तरीके से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''आतंकवाद मानव जाति के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है।''

उन्होंने कहा, ''लंबे समय से इसका पीड़ित होने के नाते आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक कार्रवाई में भारत सबसे आगे रहा है। यह केवल तब हो सकता है जब मानवाधिकारों से निपटने वाली संस्थाओं समेत सबको इसका स्पष्ट अहसास हो कि आतंकवाद को कभी उचित नहीं ठहराया जा सकता ना ही इसके प्रायोजकों की तुलना पीड़ितों के साथ हो सकती है।'' उन्होंने कहा कि भारत ने आतंकवाद से निपटने के लिए पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र में आठ सूत्री कार्ययोजना पेश की थी। उन्होंने कहा, ''हम अपनी कार्ययोजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) और अन्य देशों के साथ काम करना जारी रखेंगे।'' उन्होंने कहा कि मानवाधिकार एजेंडा के सामने निरंतर सभी तरह के आतंकवाद की चुनौतियां बनी हुई है। विदेश मंत्री ने कहा, ''मौजूदा महामारी के कारण कई स्थानों पर स्थिति और जटिल हो चुकी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हम सबको साथ आने की जरूरत है। इन चुनौतियों से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं और व्यवस्थाओं में सुधार की भी जरूरत है।''

उन्होंने कहा कि मानवाधिकार के उल्लंघन और इसके क्रियान्वयन में खामियों का चुनिंदा तरीके से नहीं बल्कि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से समाधान होना चाहिए। देश के आंतरिक मामलों और राष्ट्रीय संप्रभुता में दखल नहीं देने के सिद्धांत का भी पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने कहा, ''हमने देश में स्वास्थ्य मोर्चे पर समाधान किया और दुनिया के लिए भी कदम उठाए। हमने इस महमारी से निपटने में मदद के लिए 150 से ज्यादा देशों को जरूरी दवाओं और उपकरणों की आपूर्ति की।

कोरोना वायरस महामारी का संकट अभी टला नहीं है: योगी आदित्यनाथ

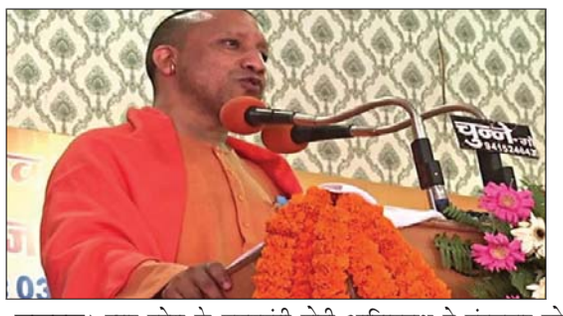

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी का संकट अभी टला नहीं है और इसकी रोकथाम के लिये निर्धारित प्रोटोकॉल का हर हाल में पालन सुनिश्चित किया जाए। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम और प्रबन्धन की समीक्षा करते हुए कहा, अभी कोरोना का संकट टला नहीं है, इसलिये हर प्रकार की सावधानी बरती जाए।

इसकी रोकथाम के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का अनुपालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। योगी ने सभी जिलाधिकारियों को एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्रों में तथा कोविड अस्पतालों में पहले की ही तरह सुबह और शाम को बैठक आयोजित कर स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिये। साथ ही सभी कार्यालयों में स्थापित कोविड सहायता डेस्क के सुचारू संचालन के भी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोविड टीकाकरण जारी है। इसके लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। टीकाकरण के कार्य में तेजी लायी जाए।

शिवसेना का बीजेपी पर हमला, कहा- कोविड-19 संकट के बारे में संभलकर बात करनी चाहिए

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र में हाल में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी चिंता का विषय है और विपक्ष को कोविड-19 संकट के बारे सावधानीपूर्वक बोलना चाहिए। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को लोगों से कोविड-19 के संबंध में उचित तौर तरीके अपनाने और नियमों का पालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि वह एक सप्ताह से लेकर 15 दिन तक हालात पर नजर रखेंगे और फिर लॉकडाउन लगाने का फैसला करेंगे। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में मंगलवार को एक संपादकीय में कहा गया कि ठाकरे की टिप्पणी के बाद भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने कहा कि सरकार को खौफ का माहौल नहीं पैदा करना चाहिए और निरंकुश शासक की तरह काम नहीं करना चाहिए। शिवसेना ने एम्स, दिल्ली के निदेशक रणदीप गुलेरिया के बयान का हवाला देते हुए कहा कि 'हर्ड इम्युनिटी' हासिल करना बहुत कठिन है और उन्होंने महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के मिले स्वरूप को ज्यादा घातक बताया है। इससे पूर्व में कोविड-19 की एंटीबॉडी बन चुके लोगों के भी फिर से संक्रमित होने का खतरा है। हर्ड इम्युनिटी वह अवस्था जब बड़ी संख्या में लोग किसी संक्रमण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त कर लेते हैं।

मराठी दैनिक ने कहा कि अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान (एम्स)ने कोविड-19 की चर्चा की है। महाराष्ट्र में विपक्ष को समझना चाहिए एम्स महाविकास आघाडी का घटक नहीं है।'' संपादकीय में कहा गया, ''हाल में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी चिंता का विषय है।'' इसमें कहा गया कि पुन- लॉकडाउन टालना है तो लोगों को जिम्मेदारी भरा बर्ताव करना होगा। विपक्ष को भी जिम्मेदारी का अहसास होना चाहिए। 'सामना' में कहा गया, 'विपक्ष को कोरोना संकट के समय सावधानी से बात करनी चाहिए। राजनीति करने के लिए पूरी जिंदगी पड़ी है और ऐसा नहीं है कि केवल कोरोना वायरस ने यह मौका दिया है। इसलिए सावधानी बरतें।'' दरेकर पर निशाना साधते हुए संपादकीय में कहा गया कि महाराष्ट्र के नेताओं को अगर लगता है कि एम्स के निदेशक देश को गुमराह कर रहे हैं तो उन्हें दिल्ली जाकर प्रदर्शन करना चाहिए। शिवसेना ने कहा लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था की हालत खराब हो सकती है इसलिए केंद्र को ऐसी स्थिति में मदद करना चाहिए। संपादकीय में कहा गया, ''महाराष्ट्र जैसे राज्य को विशेष आर्थिक पैकेज देना चाहिए। अगर महाराष्ट्र का विपक्ष (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी से वित्तीय पैकेज का अनुरोध करता है तो हमें इस पर आपत्ति नहीं होगी।

आने वाली पीढ़ी के लिए दरवाजे बंद कर देंगे नये कृषि कानून: योगेंद्र यादव

जयपुर। (एजेंसी)।

सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने केंद्र सरकार के कृषि कानूनों पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि ये कानून आने वाली पीढ़ी के लिए दरवाजे बंद कर देंगे और मंडी व्यवस्था बंद होने से देश का किसान बर्बाद हो जाएगा। स्वराज इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादव मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा राजस्थान के सीकर में आयोजित किसान महापंचायत को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंडी का कानून किसान के सर पर से छप्पर हटाने वाला कानून है और मंडी नहीं बचेगी तो सरकारी खरीद नहीं होगी,अगर मंडी की व्यवस्था चली गई तो पंजाब और हरियाणा का किसान तो बर्बाद हो ही जायेगा .. अपने यहां के किसान भी बर्बाद होंगे।

यादव ने कहा,'' प्रधानमंत्री मोदी इन कानूनों से जो कर रहे हैं ... वे हमारी आने वाली पीढ़ी के लिये दरवाजे बंद कर रहे हैं। मंडी अगर बंद होती है तो किसानों के उत्पाद की सरकारी खरीद भी बंद होगी और अगर यह बंद होगी तो जल्दी ही राशन की दुकान भी बंद होगी क्योंकि सरकार मंडी में जो खरीद करती है वही गेहूं और चावल हमें राशन की दुकान पर मिलता है।'' उन्होंने कहा कि इस संयुक्त किसान मोर्चे में देश के 450 किसान संगठन इकठ्ठे हो गये हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''पिछले तीन महीने मोदी, उनके दरबारियों, नेताओं की तमाम कोशिशों के बावजूद इन 450 संगठनों में से एक भी संगठन अभी तक टूटा नहीं है।''

यादव ने कहा कि ये कृषि कानून तो रद्द होंगे ही होंगे, हम केंद्र सरकार से फसलों के दाम की गारंटी भी लेंगे, इसके साथ ही शाहजंहापुर (राजस्थान-हरियाणा सीमा) पर जारी आंदोलन को मजबूत बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि 27 फरवरी को संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ से आह्वान हुआ है कि सब अपने अपने आंदोलन स्थलों पर पहुंचे। सभा में किसान नेता राकेश टिकैत व पूर्व विधायक अमराराम भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि संयुक्त किसान मोर्चा इस सोमवार से राजस्थान में कई किसान महापंचायतें कर रहा है।

सुनियोजित थे दिल्ली के दंगे, किताब में षड़यंत्र पर बड़े खुलासे

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली दंगों की बरसी पर कॉल फॉर जस्टिस की तरफ से एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक दिल्ली दंगे साजिश का खुलासा का विमोचन किया गया। पुस्तक में विस्तार से पिछले साल पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के बारे में लिखा गया है। पुस्तक में बताया गया है कि किस तरह से साजिश के तहत दंगे भड़काए गए। पहले सत्र का संचालन डॉ. जसपाली चौहान ने किया। मंच पर वरिष्ठ अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा, अधिवक्ता नीरज अरोड़ा, पत्रकार आदित्य भारद्वाज मौजूद थे। कॉल फॉर जस्टिस के संयोजक नीरज अरोड़ा ने दिल्ली दंगों की प्लानिंग और उसको करने के कारणों के बारे में विस्तार से बताया। मोनिका अरोड़ा ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि जिस तरह दिल्ली दंगे भड़काए गए। उसी तरह इस साल कृषि कानूनों को लेकर भी किसानों को भड़काया जा रहा है। ग्रेटा थनबर्ग की टूलकिट यदि बाजार में नहीं आई होती तो फिर से दिल्ली दंगों जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी। यह शुक्र है कि इस बार ऐसा नहीं हो पाया है। दिल्ली दंगों और किसान आंदोलन के बीच काफी समानता है। दोनों में एक ही तरह का नेतृत्व काम कर रहा था। इन दोनों आंदोलनों में कई चेहरे एक जैसे हैं। पत्रकार आदित्य भारद्वाज ने बताया कि वो खुद उस इलाके में रहते हैं जहां ये दंगे हुए थे। उनके मुताबिक दंगों की प्लानिंग बहुत ही बेहतर तरीके से की गई थी। दंगा उस समय शुरू किया गया, जबकि घरों में पुरूष नहीं थे। जबकि जिन दुकानों और जगहों पर हमला किया जाना था, वो पहले से ही तय किया गया था। उसके लिए सारे हथियारों को भी बंदोबस्त भी किया गया था।

पुस्तक के लेखक मनोज वर्मा ने बताया कि दिल्ली दंगों की साजिश एक अंतरराष्ट्रीय साजिश थी। जिसको कई महीनों पहले प्लान कर लिया गया था। पुस्तक के अन्य लेखक वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप महापात्रा ने बताया कि जब कोर्ट में सीएए को लेकर 150 से ज्यादा पिटिशन लगी हुई थी। तो उस समय योजनाबद्ध तरीके से दंगे कर कानून को प्रभावित करने की कोशिश थी।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली ने भावुक होते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर से होने के नाते वह जानते हैं कि दंगा क्या होता है। बहन-बेटियों की अस्मत लूटी गई। लोगों की हत्याएं हुईं। दिल्ली दंगा पीड़ितों की दास्तां सुन कर ऐसा लग रहा है कि इनके साथ इंसाफ नहीं हो रहा है। हम न्याय के लिए संबंधित लोगो तथा आर्थिक सहायता के लिए सरकार तक इनकी बात पहुंचाएंगे। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एमसी गर्ग ने कहा कि अगर पीड़ित परिवार अपनी समस्याओं की रिपोर्ट 'कॉल फार जस्टिस' को भेजें तो हम उनकी लड़ाई लड़ेंगे। आईपीएस बोहरा - पीड़ित को अगर लगता है की दबाब में बयान लिया गया है तो वो अपना बयां बदल सकते हैं।

भारतीय सेना की ताकत बढ़ाने पर जोर, 13500 करोड़ की रक्षा खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

देश के रक्षा क्षेत्र को मजबूती देने के लिए सरकार का बड़ा और अहम फैसला लिया गया। भारतीय सेना की ताकत बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। 13 हजार 500 करोड़ के रक्षा खरीद को मंजूरी दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने खरीद को मंजूरी दी। 118 अर्जुन मार्क-1 ए टैंक के लिए ये मंजूरी दी गई है। सेना के लिए 820 बख्तरबंद गाड़ियां भी ली जाएंगी। रक्षा क्षेत्र में इसे बड़ा कदम माना जा रहा है। 8379 करोड़ रूपये 118 अर्जुन मार्क-1 ए टैंक के लिए मंजूर किए गए जबकि 820 बख्तरबंद गाड़ियों के लिए 5300 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। ऐसे में जबकि लगातार केंद्र सरकार की ओर से ये दावा किया जाता रहा है कि सुरक्षा को लेकर आत्मनिर्भर बनना हमारा पहला लक्ष्य है। इसे उसी दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 फरवरी को स्वदेश निर्मित अर्जुन मुख्य युद्धक टैंक (एमके-1ए) को यहां सेना को सौंपा। मोदी ने इसे भारत की एकजुट भावना का एक उदाहरण बताया क्योंकि दक्षिण में निर्मित बख्तरबंद वाहन देश की उत्तरी सीमाओं की रक्षा करेंगे। मोदी ने यहां आयोजित एक समारोह में इस अत्याधुनिक टैंक की सलामी भी ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के यहां स्थित युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान द्वारा निर्मित इस अत्याधुनिक टैंक को देश में डिजाइन, विकसित और निर्मित किया गया है। मोदी ने बाद में टैंक की एक प्रतिकृति सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे को सौंपा।

ममता सरकार पर पीएम के आरोपों का टीएमसी ने दिया जवाब, डेरेक ओ ब्रायन ने कही ये बात

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में चुनावी हलचल तेज है। एक ओर जहां तृणमूल कांग्रेस पर सरकार बचाने की चुनौती है तो वहीं भाजपा सत्ता में आने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रही है। इन सबके बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हुगली में दौरा कर ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा और उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। यही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने तो ममता सरकार पर विकास को लेकर केंद्र द्वारा लाए गए कल्याणकारी योजनाओं को रोकने और दुर्गा पूजा की अनुमति नहीं देने का भी आरोप लगा डाला। इसी आरोप पर अब तृणमूल कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। पार्टी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने एक बयान में केंद्र की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि बंगाल ने पहले ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 2.5 लाख लाभार्थियों का विवरण केंद्र को भेज दिया था, लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला था।

मोदी के इस आरोप पर कि बंगाल ने 1,700 करोड़ रुपये का उपयोग नहीं किया है, जिसे केंद्र ने साफ पानी के लिए मुहैया कराया था, पर पार्टी नेता ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार द्वारा जल स्वपनो योजना शुरू किया गया है जिसमें 58,000 करोड़ रुपये की लागत से दो करोड़ परिवारों को नल का पानी मुहैया कराया जाएगा... जो पूरी तरह से राज्य द्वारा वहन किया जा रहा है। मोदी सरकार पर क्रेडिट लेने का आरोप लगाते हुए डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि रेल मंत्री के रूप में ममता बनर्जी ने दमदम-दक्षिणेश्वर मेट्रो की न्यू 2010 में रखी थी। 7 साल तक केंद्र की भाजपा सरकार ने इसके लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दिया। लेकिन चुनाव से पहले अब क्रेडिट लेने के लिए आगे आ रही है। ओ'ब्रायन ने प्रधानमंत्री के दुर्गा पूजा को लेकर उठाए गए सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि 2020 में दुर्गा पूजा को राज्य सरकार ने प्रोत्साहन दिया था जिसके तहत पूजा समितियों और आयोजकों को सहायता राशि प्रदान की गई थी। मोदी के खराब शासन वाले दावे पर टीएमसी ने कहा कि राज्य में प्रति व्यक्ति औसत आय दोगुनी से अधिक हुई है। 2010 में यह 51543 थी जो 2019 में बढ़कर लगभग 1.09 हो गई है।

रोजगार को लेकर राज्य से लोगों के बाहर जाने के आरोप पर टीएमसी नेता ने कहा कि 2012 में 34.6 लाभ की तुलना में बंगाल में आज लगभग 89 लाख के छोटे व्यवसाय संचालित हो रहे हैं जिनमें 1.35 करोड़ लोगों को रोजगार दिए जाते हैं। ओ'ब्रायन ने यह भी दावा किया कि राज्य में पहले ही किसानों के लिए कई योजनाएं बना रखी है जिसके तहत 10 साल में आए में 3 गुना वृद्धि देखी गई है और चिकित्सा बीमा भी दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में ममता सरकार पर जूट कारखाने बंद करने और आलू की खेती में विफल रहने का भी आरोप लगाया। इसका जवाब देते हुए डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि 2019 में राज्य ने सात करोड़ जूट बैग खरीदे हैं जबकि केंद्र ने जूट बोर्डों को समाप्त कर दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि बंगाल में 30 लाख मैट्रिक टन से अधिक का आलू निर्यात करने की क्षमता है। केंद्र ने आलू को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटा दिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)